राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 12 फरवरी 2024 वर्ष–7,अंक–20 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

पीएम मोदी पर प्रियंका गांधी ने बोला हमला

किसानों के रास्ते में कील-कांटे बिछाना अमृतकाल है

नई दिल्ली । किसान आंदोलन को लेकर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने पीएम मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि किसानों के रास्ते में कील-कांटे बिछाना अमृतकाल है या अन्यायकाल? आगामी संसदीय चुनाव से पहले एक बार फिर किसान दिल्ली घेरने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि प्रशासन ने उन्हें राष्ट्रीय राजधानी से सटे सभी सीमाओं पर सुरक्षा बढ़ा दी है। इसी बीच कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला है। सोशल साइट एक्स पर एक वीडियो पोस्ट साझा कर उन्होंने पूछा है कि किसानों के रास्ते में कील-कांटे बिछाना अमृतकाल है या अन्यायकाल? उन्होंने वीडियो शेयर कर लिखा है कि किसानों के रास्ते में कील-काँटे बिछाना अमृतकाल है या अन्यायकाल? इसी असंवेदनशील एवं किसान विरोधी रवैये ने 750 किसानों की जान ली थी। किसानों के खिलाफ काम करना, फिर उनको आवाज भी न उठाने देना - कैसी सरकार का लक्षण है? किसानों से किया वादा पूरा नहीं किया- न एमएसपी का कानून बनाया, न किसानों की आय दोगुनी हुई- फिर किसान देश की सरकार के पास नहीं आयेंगे तो कहां जाएंगे? प्रधानमंत्री जी! देश के किसानों के साथ ऐसा व्यवहार क्यों? आपने किसानों से जो वादा किया था, उसे पूरा क्यों नहीं करते?

भड़काऊ मौलाना मुफ्ती सलमान अजहरी की कस्टडी लेने कच्छ पहुंची मोडासा पुलिस

अहमदाबाद . भड़काऊ बयानबाजी कर कानूनी शिकंजे में फंसे मुंबई के मौलाना मुफ्ती सलमान अजहरी की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं. जूनागढ़ पुलिस की कस्टडी से मुक्ति मिली तो कच्छ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. आज कच्छ पुलिस से मुक्ति पाने के बाद अरवल्ली पुलिस मौलाना को अपने साथ ले जाएगी. मौलाना मुफ्ती पर आरोप है कि उसने जूनागढ़, कच्छ और अरवल्ली में ऐसा भड़काऊ बयान दिया जिससे सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ सकता था. 31 जनवरी को जूनागढ़ में भड़काऊ बयानबाजी करने वाले मौलाना मुफ्ती के खिलाफ पहला केस दर्ज किया गया और पिछले हाल ही में गुजरात एटीएस और जूनागढ़ पुलिस उसे मुंबई के घाटकोपर से गिरफ्तार कर गुजरात लाई थी. जूनागढ़ पुलिस ने मौलाना को कोर्ट में पेश कर रिमांड प्राप्त किया था. दूसरी ओर कच्छ के भचाऊ में भी मौलाना के खिलाफ मामला दर्ज होने पर जूनागढ़ में जमानत मिलने के बाद रिहा होने पर मौलाना को कच्छ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. कोर्ट ने मौलाना को दो दिन के पुलिस रिमांड पर सौंप दिया. आज रिमांड खत्म होने के बाद मौलाना को जमानत मिलती है तो अरवल्ली पुलिस उसे गिरफ्तार कर मोडासा ले जाएगी. गत शुक्रवार को मोडासा पुलिस ने मौलाना के खिलाफ ऐसा ही एक मामला दर्ज किया था. मोडासा पुलिस भी कच्छ से मौलाना को लाने के बाद कोर्ट में पेश कर रिमांड की मांग करेगी.

4 हजार गर्ल्स-महिलाएं डीपफेक की शिकार

जयपुर। प्रदेश की 4 हजार से ज्यादा कॉलेज गर्ल्स और महिलाओं के साथ डीपफेक कांड का बड़ा खुलासा हुआ है। महज 8वीं पास दो शातिर भाई रियल तस्वीरों को अश्लील फोटो में बदलकर उन्हें संबंध बनाने के लिए ब्लैकमेल करते थे। इनके मोबाइल फोन से एक दो नहीं 4 हजार से अधिक महिलाओं के फोटो और चैट के स्क्रीन शॉट मिले हैं। पकड़े जाने से पहले सोशल मीडिया पर 500 से अधिक महिलाओं और लड़कियों के फोटो वायरल कर चुके थे। आरोपी खुद को बड़ा बिजनेसमैन बताकर फेसबुक पर महिलाओं को झांसे में लेते, फर्राटेदार इंग्लिश से इंप्रेस करते और फिर शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर करते। जो लडक़ी ना कहती, उसकी अश्लील फोटो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर देते थे।

दिल्ली की सभी सातों सीटों पर अकेले लड़ेगी

नई दिल्ली । पंजाब के बाद दिल्ली में भी इंडिया गठबंधन से आम आदमी पार्टी ने दूरी बना ली है। आप संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के बाद अब दिल्ली की सभी सात सीटों पर चुनाव लडऩे का ऐलान कर दिया है। इस प्रकार से लोकसभा चुनाव से पहले आप पार्टी ने इंडिया गठबंधन को डबल झटका दिया है। बता दें कि इससे पहले बिहार में जदयू के नेता नीतीश कुमार और पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी ने भी इस महागठबंधन से दूरी बना ली है। पंजाब के तरनतारन में सभा को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने रविवार को कहा कि गर्वनर ने विधानसभा सत्र नहीं होने दिए। राजधानी दिल्ली में भी कम नहीं होते है। उन्होंने कहा कि अब दिल्ली ने जो ठान लिया है कि सातों लोकसभा सीट आम आदमी पार्टी को जिताना है। आप भी लोकसभा की 13 की 13 सीटों पर झाड़ू चलाओ, आम आदमी पार्टी को जिताओ। केजरीवाल ने कहा कि इसके बाद केंद्र सरकार को सबक मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने झाबुआ के जनजातीय महाकुंभ में किया 7550 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास,

अब तो विपक्षी नेता भी यह मानने लगे हैं-अबकी बार, 400 पार

झाबुआ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को मध्यप्रदेश के झाबुआ में जनजातीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ लोग कह रहे हैं कि मोदी मध्यप्रदेश में झाबुआ से लोकसभा की लड़ाई का आगाज करेगा। बताना चाहता हूं कि मोदी लोकसभा प्रचार के लिए नहीं आया है। मोदी तो सेवक के तौर पर ईश्वर रूपी एमपी की जनता का आभार मानने आया है। मप्र ने पहले ही बता दिया है कि 2024 में 400 पार। 2023 में विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की छुट्टी हुई थी, 2024 में सफाया तय। भाजपा अकेले 370 सीट ला रही है।

प्रधानमंत्री ने 7550 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। कुछ प्रोजेक्ट का लोकार्पण किया। झाबुआ से ही खरगोन में 170 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले टंट्या मामा भील विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं झाबुआ की पावन मिट्टी को नमन करता हूं। झाबुआ जितना मध्यप्रदेश से जुड़ा है, उतना गुजरात से भी जुड़ा है। झाबुआ से मध्यप्रदेश और गुजरात के दिल जुड़े हुए हैं।

जनजातीय समाज का सम्मान मोदी की गारंटी

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे लिए जनजातीय समाज वोटबैंक नहीं, देश का गौरव है। आपका सम्मान और विकास मोदी की गारंटी है। बच्चों और युवाओं के सपने मोदी का संकल्प है। पीएम ने कहा कि 2023 में कांग्रेस की छुट्टी हुई, 2024 में सफाया तय है। कांग्रेस का एक ही काम है- नफरत, नफरत और नफरत। पीएम ने कहा कि वन संपदा कानून में बदलाव कर हमारी सरकार द्वारा वन भूमि से जुड़े अधिकार लौटाए गए। सिकल सेल एनीमिया सैकड़ों लोगों की जान ले रही थी। कांग्रेस ने इतने वर्ष सरकार चलाई, लेकिन कांग्रेस ने आदिवासी समाज के बच्चों की चिंता नहीं की। ये चुनाव का मुद्दा नहीं होता था। लेकिन हमारे लिए वोट नहीं आपकी जिंदगी मायने रखती है। हमने सिकल सेल एनीमिया के खिलाफ अभियान शुरू किया है। ये नियत का फर्क है कि आज हमारा आदिवासी समाज सम्मान के साथ विकास की दौड़ में आगे दौड़ रहा है।

3 चुनाव का हिसाब निकालो

प्रधानमंत्री ने कहा कि अकेला कमल का निशान 370 पार करेगा। यह लाओगे कैसे? मैं आपको एक जड़ी बूटी देता हूं। आपको यहां से जाकर एक ही काम करना है। पिछले तीन चुनाव में आपके यहां पोलिंग बूथ में कमल पर कितने वोट पड़े, वो निकालो। यह लिख लो कि पिछले तीन चुनाव में इस पोलिंग बूथ पर सबसे ज्यादा वोट मिले थे। फिर आप तय करना कि अब जो ज्यादा से ज्यादा वोट बूथ में मिले थे, उसमें इस बार 370 नए वोट जुडऩे चाहिए। यानी पिछले से 370 वोट ज्यादा लाना है।

केजरीवाल ने दिल्ली की सातों सीटों पर किया जीत का दावा

-लोगों ने कहा, क्या कांग्रेस संग नहीं होगा गठबंधन

तरन तारन।

लोकसभा चुनाव 2024 में दिल्ली की 7 सीटों पर आम आदमी पार्टी और कांग्रेस मिलकर चुनाव लड़ेंगी या नहीं, इस पर संशय बरकरार है। आधिकारिक ऐलान नहीं होने के कारण महज कयास ही लगाए जा रहे हैं। ऐसे में आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के तरनतारन में रैली के दौरान ऐलान किया कि दिल्ली के लोगों ने इस बार ठान लिया है कि दिल्ली की सातों लोकसभा सीटें इस बार आम आदमी पार्टी को ही देंगे। इस बात के ये मायने निकाले जा रहे हैं कि दिल्ली में आप कांग्रेस से गठबंधन करने के मूड में नहीं है।

यहां आयोजित एक रैली को संबोधित कर रहे दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भाजपा को डर है कि केंद्र में आप की सरकार बन जाएगी। आज की स्थिति में भाजपा सिर्फ और सिर्फ आम आदमी पार्टी से ही डरती है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में आम आदमी पार्टी तेजी से बढ़ी है। वैसे तो आप महज 10 साल का छोटा सा बच्चा है। इस छोटे बच्चे ने इतनी बड़ी पार्टी की नाक में दम कर रखा है। उन्होंने कहा कि आप उन्हें सोने नहीं देती। उन्हें नींद नहीं आ रही है। हम लोग उनके सपने में रात को भूत बनकर आते हैं। इसके साथ ही केजरीवाल ने केंद्र पर आरोप लगाते हुए कहा कि यहां पंजाब में हमें काम करने से रोका जा रहा है, और वहां दिल्ली में ये लोग हमें रोक रहे हैं।

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि आप जैसी एक छोटी सी पार्टी ने 10 साल के अंदर पंजाब और दिल्ली में सरकार बना ली है। वहीं दूसरी तरफ गुजरात और गोवा में विधायक बने हैं। जहां भी पार्टी उम्मीदवार चुनाव लड़ते हैं, वहां खूब सारे वोट उनके खाते में आते हैं। ऐसे में भाजपा को डर है कि यह पार्टी इसी तरह आगे बढ़ती रही तो एक दिन केंद्र में आम आदमी पार्टी की ही सरकार बन जाएगी। यहां केजरीवाल ने कहा कि भाजपा की 30 साल से गुजरात में और 15 साल से मध्य प्रदेश में सरकार है, लेकिन एक भी स्कूल ठीक नहीं कर पाए हैं और ना ही बिजली व्यवस्था बेहतर कर पाए। उन्होंने कहा कि अगर हिम्मत है तो वही काम करके दिखाएं. जो काम आम आदमी पार्टी करती है।

सरकार ने 18.38 लाख करोड़ डायरेक्ट-टैक्स वसूला

नई दिल्ली । वित्तीय वर्ष 2024 में डायरेक्ट टैक्स (प्रत्यक्ष कर) कलेक्शन में 20 फीसदी का उछाल आया है। मौजूदा वित्तीय वर्ष में यह 15.60 लाख करोड़ रुपये रहा, जो कि सरकार के पूरे वित्तीय वर्ष के संशोधित अनुमान का 80 फीसदी है। सीबीडीटी ने एक बयान जारी कर बताया कि डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में मजबूत वृद्धि देखी जा रही है। डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 10 फरवरी 2024 तक 18.38 लाख करोड़ रुपये रहा, जो कि बीते साल के कलेक्शन से 17.30 फीसदी ज्यादा है। डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन से नेट रिफंड को हटा दें तो ये 15.60 लाख करोड़ रुपये हैं, जो कि पिछले साल के नेट कलेक्शन से 20.25 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए ये कलेक्शन सरकार के डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन के संशोधित अनुमान का 80.23 फीसदी है। 1 अप्रैल 2023 से लेकर 10 फरवरी 2024 तक 2.77 लाख करोड़ रुपये रिफंड दिए गए हैं। सीबीडीटी ने बताया कि कॉरपोरेट इनकम टैक्स और पर्सनल इनकम टैक्स में भी वृद्धि हुई है। सीबीडीटी के अनुसार, कॉरपोरेट इनकम टैक्स में 9.16 प्रतिशत और पर्सनल इनकम टैक्स में 25.67 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रिफंड को एडजस्ट करने के बाद यह वृद्धि क्रमश- 13.57 प्रतिशत और 26.91 प्रतिशत है।

सरेबाजार गोली चलाकर भाजपा नेता पर किया जानलेवा हमला

चंडीगढ़ ।

पंजाब के चंडीगढ़ में भाजपा नेता पर जानलेवा हमला होने के समाचार मिले हैं। जानकारी के अनुसार सेक्टर-26 सब्जी मंडी में शनिवार को एक युवक ने दिनदहाड़े भाजपा नेता पर गोली चला दी। बताया जा रहा है कि मंडी के ही एक दुकानदार ने सांसद किरण खेर के नजदीकी माने जाने वाले भाजपा नेता और मंडी के व्यापारी अंकुर राणा पर दो गोली दागी, लेकिन दोनों गोली पिस्तौल में ही फंस गई। यह घटना किसी रंजिश को लेकर बताई जा रही है। इसके बाद फायरिंग करने वाले युवक की लोगों ने पकड़कर धुनाई भी कर दी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे इलाके को सील कर जांच की जा रही है। पुलिस ने मौके से एक पिस्तौल और एक मैगजीन भी बरामद की हैं। इस मामले में एक युवक को पुलिस ने हिरासत में भी लिया है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। इधर भाजपा नेता अंकुर राणा ने घटना के संबंध में बताया कि फारूख मलिक मंडी में दुकानदारों और किसानों से अवैध वसूली का काम करता था। उसने उसे ऐसा करने से रोका था। वहीं दुकानदारों से भी कहा था कि उसको कोई रुपये नहीं दे। इसी बात से वह रंजिश रखने लगा था। शनिवार को फारूख अपने कुछ साथियों के साथ मंडी में आया। उस समय अंकुर अपनी दुकान के बाहर थे। इस दौरान फारूख ने उन पर गोली चलाई, ले किन वह चल नहीं पाई।

माघ मेले में बोले शंकराचार्य, भारत की दिव्यता अलौकिक

प्रयागराज। शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने माघ मेले में कहा कि भारत की दिव्यता अलौकिक है। उन्होंने कहा कि विश्व में इतनी शक्ति नहीं की भारत की दिव्यता पर ग्रहण लगा सके। साथ ही कहा कि ये श्रीराम कृष्ण की धरती है। विश्व में इतनी ताकत नहीं जो भारत की दिव्यता पर ग्रहण लगा सके। शंकराचार्य ने कहा कि धर्माचार्यों का अपमान देश का अपमान है। साथ ही कहा कि भारत की दिव्यता, भव्यता, अलौकिक है। ये श्रीराम, कृष्ण की धरती है। विश्व में इतनी शक्ति नहीं जो भारत की दिव्यता पर ग्रहण लगा सके। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी अपने सनातन धर्म संस्कृति की रक्षा शिक्षा के लिए आगे नहीं आई तो गंभीर हालात उत्पन्न होंगे। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि जीविकोपार्जन जीवन के लिए होना चाहिए न कि जीवन सिर्फ खाने कमाने के लिए हो। धर्मानुकूल जीवन यापन करते हुए ईश्वर भक्ति के मार्ग पर चलना चाहिए। भगवन नाम का संकीर्तन करने से जीवन का कल्याण होता है। शंकराचार्य ने कहा कि धर्माचार्यों का अपमान देश का अपमान है। साथ ही कहा कि राजनीति, सत्ता और सत्ता के लोग अपने को धर्म और धर्माचार्यों से ऊपर समझने लगे हैं जो शुभ संकेत नहीं है। भारत का अस्तित्व महान संत महात्माओं महापुरुषों के चरित्र से पहचाना जाता है। ऋषि मुनियों ने यहां तपस्या कर विश्व कल्याण की कामना की।

बिहार में फ्लोर टेस्ट आज, पार्टियों की बढ़ी टेंशन

-सभी पार्टियों ने अपने-अपने विधायकों की तगड़ी बाड़ेबंदी की है

पटना ।

बिहार में नीतीश सरकार का सोमवार को फ्लोर टेस्ट है। इससे पहले यहां सियासी हलचल तेज हो गई है। भाजपा, आरजेडी, जेडीयू, कांग्रेस, लेफ्ट और हम पार्टी ने अपने-अपने विधायकों की तगड़ी बाड़ेबंदी की है। दो दिन से गया के होटल में रुके भाजपा विधायक तीन बसों में सवार होकर पटना पहुंचे। विधायक डिप्टी सीएम विजय सिन्हा के आवास पर रूके हैं। विधायकों के साथ बिहार प्रभारी विनोद तावड़े भी मौजूद हैं।

फ्लोर टेस्ट से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गया में चल रही भाजपा विधायकों की वर्कशॉप को वर्चुअली संबोधित किया। इस शिविर में भाजपा के 3 विधायक नहीं पहुंचे। आरजेडी के विधायकों को शनिवार को तेजस्वी यादव के बंगले पर बैठक के लिए बुलाया गया। फिर किसी को बाहर नहीं जाने दिया गया। बैठक में दो विधायक नहीं पहुंचे हैं। वहीं, शनिवार को जेडीयू के 6 विधायक मंत्री श्रवण कुमार के आवास पर भोज में नहीं पहुंचे थे। हालांकि, आज मंत्री विजय चौधरी के आवास पर होने वाली बैठक में इनमें से 2 विधायक पहुंचे हैं। रात में यहीं रुकेंगे। इधर, फ्लोर टेस्ट से पहले राजभवन में लीगल एडवाइजर की पूरी टीम को बदल दिया गया है। पटना में जगह-जगह तेजस्वी के समर्थन में पोस्टर लगे हैं।

जिनमें में लिखा है- बिहार की है मंजूरी, तेजस्वी हैं जरूरी। सूत्रों के मुताबिक, फ्लोर टेस्ट से पहले बिहार में जांच एजेंसी ईडी और इनकम टैक्स की टीम एक्टिव हो गई है। कुछ राजनीतिक दलों और नेताओं के बीच पैसों के संदिग्ध लेन-देन के मद्देनजर नजर रखी जा रही है।

कांग्रेस की समराला रैली में नवजोत सिद्धू को नहीं बुलाया

लुधियाना । कांग्रेस ने नवजोत सिद्धू को पंजाब में होने वाली समराला रैली के लिए आमंत्रित नहीं किया है। जानकारी के अनुसार कांग्रेस की ओर से समराला में 11 फरवरी को आयोजित रैली के लिए पार्टी के स्टार नेता नवजोत सिंह सिद्धू को अभी तक कोई न्योता नहीं मिला है। सिद्धू के करीबियों का कहना है कि बिना न्योता सिद्ध रैली में कभी नहीं जाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अगर पार्टी की ओर से उन्हें नहीं बुलाया जाता है तो सिद्धू लाबी कुछ बड़ा धमाका कर सकती है। सिद्धू की गैरमौजूदगी का अंदाज इसी से लगाया जा सकता है कि समराला से लुधियाना तक लगाए गए बैनर और होर्डिंग्स से नवजोत सिद्धू गायब हैं। दरअसल शनिवार को जब पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग से नवजोत सिंह सिद्धू के समराला रैली में आने के संबंध में पूछा गया तो उन्होंने चुप्पी साध ली। उधर, यह भी चर्चा चल रही है कि सिद्धू के एक करीबी सांसद कांग्रेस का दामन छोड़ तरनतारन में आयोजित होने वाली आम आदमी पार्टी की रैली में आप का दामन भी थाम सकते हैं।

दिल्ली कूच पर अड़े किसान, पंजाब-हरियाणा बॉर्डर सील

सिंघु-टिकरी पर बैरिकेडिंग, कीलें ठोकीं, कंक्रीट बिछाया; 7 जिलों में इंटरनेट बंद, 64 कंपनियां तैनात

अंबाला ।

संयुक्त किसान मोर्चा के 13 फरवरी को दिल्ली कूच से पहले हरियाणा और पंजाब के शंभू, खनौरी समेत सभी बॉर्डर सील कर दिए गए हैं। वहीं सिंघु और टिकरी बॉर्डर पर भी सीमेंट के बैरिकेड लगा दिए गए हैं। पंजाब से आने वाले किसानों को रोकने के लिए अंबाला के शंभू बॉर्डर और फतेहाबाद में बैरिकेड्स और लोहे की कीलें लगा दी गई हैं।

हरियाणा के 7 जिलों में रविवार सुबह 6 बजे से मोबाइल इंटरनेट, डोंगल और बल्क एसएमएस बंद कर दिए गए हैं। यह रोक अंबाला, हिसार, कुरुक्षेत्र, कैथल, जींद, फतेहाबाद और पुलिस जिला डबवाली समेत सिरसा जिले रहेगी। यह आदेश 13 फरवरी की रात 12 बजे तक लागू रहेंगे। हरियाणा के सोनीपत, झज्जर, पंचकूला, अंबाला, कैथल, हिसार, सिरसा, फतेहाबाद और जींद समेत 12 जिलों में धारा 144 लागू की गई है। इसके साथ पंजाब और दिल्ली के रूट भी डायवर्ट कर दिए गए हैं। केंद्र सरकार ने पैरामिलिट्री की 64 कंपनियों को हरियाणा भेज दिया है। जिनमें बीएसएफ और सीआरपीएफ के जवान भी शामिल हैं।

पंजाब से 10 हजार ट्रैक्टर-ट्रॉली आने की संभावना

13 फरवरी को पंजाब के किसान 10 हजार ट्रैक्टर ट्रॉलियों पर दिल्ली जाने के लिए हरियाणा में दाखिल होंगे। इसके लिए शंभू बॉर्डर, डबवाली और खनौरी बॉर्डर को चुना गया है। अंबाला में आपात स्थिति से निपटने व कानून व्यवस्था बनाने के लिए चार कंपनियां एल्फा, ब्रेवो, चार्ली व डेल्टा का गठन किया गया है। चारों कंपनियों में 428 जवान होंगे। हरियाणा को और 14 कंपनियां केंद्र ने दी हैं। अब कुल मिलाकर 64 कंपनियां किसान आंदोलन को लेकर हरियाणा पहुंच गई हैं।

16 फरवरी को किसानों का भारत बंद

न्यूनतम समर्थन मूल्य समेत अन्य मांगों को लेकर किसानों की मांग का मुद्दा गहराता जा रहा है। किसान संगठनों ने 16 फरवरी को भारत बंद का आह्वान किया है। संयुक्त किसान मोर्चा ने 16 फरवरी को भारत बंद का आह्वान किया है। सभी किसान संगठनों ने इसका समर्थन किया है। इस बीच, सरकार ने किसानों से वार्ता की पहल भी कर दी है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के साथ ही अर्जुन मुंडा चंडीगढ़ में किसान नेताओं से बात करेंगे। इसे पहले गुरुवार को चंडीगढ़ में तीन केंद्रीय मंत्रियों और विभिन्न किसान संगठनों के नेताओं के बीच हुई बातचीत जहां बेनतीजा रही, वहीं आंदोलन की कमान नए चेहरों ने संभाल ली है। ये वही किसान नेता हैं, जो पहले हुए किसान आंदोलन में पिछली सीटों पर बैठते थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

पारदर्शी चयन हेतु

ऐसे समय में जब नौकरियों से जुड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं में नकल तथा पेपर लीक जैसी धांधलियों की खबरें अकसर आती हैं केंद्र सरकार द्वारा द्वारा लाया गया लोक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) विधेयक एक महत्वपूर्ण कदम है। निश्चित रूप से एक जटिल समस्या पर नियंत्रण करने की सार्थक पहल हुई है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह विधेयक लोकसभा में पारित हो गया है। अच्छी बात यह है कि इस विधेयक को पारित करने के दौरान सत्ता पक्ष व विपक्ष का जो रचनात्मक प्रतिसाद रहा, वह उम्मीद जगाता है कि राज्यसभा में भी यह विधेयक आसानी से पारित हो सकेगा। निश्चित रूप से यह कदम उन लाखों बेरोजगार युवाओं के साथ न्याय होगा, जो वर्षों की मेहनत से प्रतियोगिता परीक्षाएं देते हैं और किसी धांधली की खबरों के कारण परीक्षाएं स्थगित कर दी जाती रही हैं। इस विधेयक में नकल व अन्य अनुचित तौर-तरीके अपनाने पर कड़ी सजा का प्रावधान किया गया है। इसके अंतर्गत सुनियोजित तरीके से नकल कराने व पेपर लीक कराने के दोषियों को दस साल की सजा और एक करोड़ तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। निस्संदेह, लोकपरीक्षा (अनुचित साधन रोकथाम) विधेयक 2024 को लेकर उम्मीद जगी है कि अब परीक्षार्थियों को किसी भी तरह की धांधली का खमियाजा नहीं भुगतना पड़ेगा। हाल के वर्षों में कई राज्यों से खबरें आई कि सरकारी नियुक्तियों के लिये आयोजित परीक्षाओं में व्यापक पैमाने पर चतुर-चालाक लोगों द्वारा धांधली की गई। पिछले दिनों हुए राजस्थान विधानसभा चुनाव के दौरान परीक्षाओं में धांधली का मुद्दा जोरशोर से उछला भी था। निश्चित रूप से पेपरों का लीक होना उन लाखों परीक्षार्थियों के साथ सरासर अन्याय था जो श्रमसाध्य तरीके से इन परीक्षाओं में भविष्य तलाशते थे। लेकिन धांधली के बाद ये परीक्षाएं स्थगित हो जाती थी। जिससे इन प्रतियोगियों की मेहनत, तैयारी में लगा पैसा व समय बर्बाद हो जाता था। परीक्षाएं टलने से कई प्रतियोगियों की तो निर्धारित उम्र तक निकल जाती थी। दरअसल, पिछले दिनों कई राज्यों में जूनियर क्लर्क, शिक्षक चयन परीक्षा, पुलिस भर्ती परीक्षा, समूह डी पद व शिक्षक पात्रता परीक्षा में धांधली के मामले प्रकाश में आए थे। जाहिर है इतने बड़े व गोपनीय सिस्टम से पेपर निकालने में किसी सुनियोजित ढंग से काम करने वाले गिरोह का ही हाथ हो सकता है। वहीं परीक्षा आयोजन से जुड़े कुछ लोगों की संदिग्ध भूमिका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। आधुनिक तकनीक ऐसे घोटालों में शातिरों के लिये मददगार साबित हो रही थी, जो कम समय में आउट किये पेपरों को पूरे देश में फैला देते हैं। कई जगह कुछ कोचिंग सेंटरों की भी संदिग्ध भूमिका नजर आई है, जो परीक्षा आयोजित करने वाली व्यवस्था में सेंध लगाने में कामयाब हो जाते हैं। निस्संदेह, सरकार की इस पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। लेकिन सजा के कड़े प्रावधानों को देखते हुए कोशिश हो कि किसी साजिश के तहत निर्दोष लोग इसकी चपेट में न आ पाएं। हालांकि, केंद्र सरकार की तरफ से कोशिश हुई है कि परीक्षार्थियों को नये प्रावधानों से नुकसान न हो, फिर भी कानून का पालन करवाने वाली एजेंसियों को अतिरिक्त सावधानी बरतनी होगी। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि देश में सरकारी सेवाओं के प्रति युवाओं में बड़ा सम्मोहन है। खासकर सुरक्षित नौकरी की चाह कोरोना संकट ने और बढ़ायी है।

आज का राशिफल

मेष प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है।

वृषभ व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे।

कर्क प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। धन हानि के योग हैं।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या आर्थिक योजना फलीभूत होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। वाणी की सौम्यता से व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

धनु व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के भरपूर अवसर प्राप्त होंगे। धन लाभ के योग हैं।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किसी का वाणी के स्तर पर उत्पीड़न न करें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन, सम्मान, यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

पड़ौस का जनादेश और हमारा जनादेश....

(लेखक राकेश अचल)

भारत के सहोदर बांग्लादेश के बाद पाकिस्तान में भी आम चुनाव हो गए है । इन दोनों देशों में भी लोकतंत्र है इसलिए जनादेश हासिल करने का नाटक किया जाता है ,लेकिन यहां भी लोकतंत्र के नाम पर जैसा खेला होता है। ये खेला भारत में होने वाले खेला से तनिक भिन्न है । हमारे यहां ये खेला होना अभी बाक़ी है। भारत में लोकतंत्र के नाम पर जनादेश जब आएगा ,तब आएगा किन्तु हमारे भावी प्रधानमंत्री ने तो जनादेश से पहले आपने आपको खुद चुन लिया है। पाकिस्तान में जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई तमाम धांधली के बावजूद बहुमत में आ गयी है ,लेकिन पाकिस्तान की सेना समर्थित व्यवस्था इमरान खान की पार्टी को सरकार बनाने का मौक़ा देगा या नहीं कहना कठिन है । पाकिस्तान का लोकतंत्र जनादेश का सिर झुककर सम्मान नहीं करता,बल्कि जनादेश को अपने हिसाब से परिभाषित करता है। पाकिस्तान से पहले बांग्लादेश में भी आम चुनाव हुए हैं । वहां भी विपक्ष ने चुनाव में भाग नहीं लिया लेकिन ,बांग्लादेश में एक छद्म जनादेश वाली सरकार बन गयी। भारत में भी कमोवेश इसी तरह की सरकार बनाने के प्रयास कहें या इंतजाम किये जा रहे हैं। पकिस्तान में शरीफ की सरकार बने या बदमाश की,इससे हमें बहुत ज्यादा फर्क नहीं पड़ने वाला,क्योंकि पाकिस्तान हमारा स्थाई पड़ौसी होने के साथ ही स्थाई शत्रु भी है। हमें फर्क बांग्लादेश में बनी छद्म बहुमत की सरकार से भी ज्यादा नहीं पड़ा,क्योंकि वो भी भारत की मित्र सरकार नहीं है। हमें फर्क पडेगा अपनी नई सरकार से जो अप्रेल में शायद बन जाएगी। पाकिस्तान में और भारत में आजकल एक ही समानता है कि दोनों देशों में लोकतंत्र खतरे में है । पकिस्तान का लोकतंत्र खतरों से खेलने का आदी हो चुका है और भारत आ लोकतंत्र खतरनाक दौर से गुजर रहा है । लोकतंत्र अब प्रतिक्रियावादी शक्तियों की आँख के लिए किरकिरी बन चुका है।

पकिस्तान की न्याय व्यवस्था ने वहां के प्रधानमंत्री रहे इमरान खान को जेल के सीखचों के पीछे भेज दिया,गनीमत ये है कि हमारे यहां अभी तक कोई पूर्व या वर्तमान प्रधानमंत्री अभी तक भ्रष्टाचार या अन्य किसी अपराध के लिए जेल नहीं गया। हमारे यहां अभी नेताओं को जेल भेजने का अभ्यास किया जा रहा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री लालू यादव जेल जा चुके है। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और झारखण्ड के मुख्यमंत्री रह चुके हेमंत सोरेन जेल में हैं। अरविंद केजरीवाल को जेल भेजने की तैयारी है। तैयारी तो राहुल गांधी और उनकी माँ को भी जेल भेजने की है किन्तु अदालत ने इन दोनों को जमानत दे रखी है।

पाकिस्तान चुनाव में धांधली के आरोपों के बीच इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने बड़ा दावा किया है. पार्टी चीफ गोहर खान का कहना है कि उनकी पार्टी को बहुमत मिला है और इसलिए राष्ट्रपति उन्हें सरकार बनाने का न्यौता देंगे। दावे के मुताबिक, सभी निर्दलीय उम्मीदवार पार्टी के प्रति वफादार हैं और वे अपनी स्वतंत्र सरकार बनाएंगे। इमरान खान भले ही शत्रु देश के नेता हैं किन्तु एक खिलाड़ी के तौर पर वे मेरे हमेशा प्रिय रहे हैं ,इसलिए मै कामना करता हूँ कि उनकी पार्टी सत्ता में आये ताकि इमरान खान जेल से बाहर आ सकें।

आपको याद होगा कि इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के चुनाव लड़ने पर रोक थी। इमरान खान खुद जेल में हैं और वह चुनाव नहीं लड़ सकते थे। घोटाले से संबंधित मामलों में दोषी पाए जाने के बाद इमरान ने अपनी पार्टी की अध्यक्षता छोड़ दी थी और गोहर खान को पार्टी की अध्यक्षता सौंपी गई। इमरान के समर्थक नेताओं ने स्वतंत्र चुनाव लड़ने का फैसला किया था। चुनाव आयोग द्वारा घोषित नतीजे के मुताबिक, पीटीआई समर्थित 102 उम्मीदवारों ने चुनाव में जीत हासिल की है।

पाकिस्तान के चुनाव में सेना सीधा हस्तक्षेप करती है ,संयोग से अभी भारत में ऐसा नहीं है । यहां चुनाव में सेना के बजाय संघ का हस्तक्षेप होने लगा है । सेना से निवृत अध्यक्षों को संघदक्ष पार्टी अपने यहां मंत्री बना लेती है। इसका लाभ ये होता है कि सेना में संघमित्र सरकार के प्रति सद्भावना बनी रहती है। जरूरत पड़ने पर हमारी बहादुर सेना सरकार के लिए सर्जिकल स्ट्राइक तक करती है। लेकिन इसे चूंकि हम देशहित में मानते हैं इसलिए किसी को इस पर टिप्पणी करने को बुरा माना जाता है। अब बुरा तो बुरा होता है। खैर। भारत में लोकसभा का सत्रावसान हो चुका ह। बसंत का आगमन हो रहा है । लोकतंत्र भी बसंत के एक पुष्प की तरह है । भारत के लोकतंत्र का पुष्प अभी तक तो बहुरंगी और चटख था ,किन्तु अब कोशिश की जा रही है कि भारत में इस बसंत के अंत में लोकतंत्र का जो पुष्प खिले वो बहुरंगी न होकर भगवा रंग का हो। लोकतंत्र के पुष्प का रंग बदलने के लिए लोकतंत्र की जड़ों में सामान्य खाद-पानी के साथ भारतरत्न ब्रांड खाद भी डाली जा रही है। ये खाद प्रभावी भी हैं । इसके इस्तेमाल से कमल के साथ दूसरे तरह के अंकुर भी फूटते दिखाई दे रहे हैं ।यानि हमारी निवर्तमान सरकार जिस तरह का प्रयोग करना चाहती है उसमें कामयाबी सम्भव है।

अपने आधी सदी के पत्रकारिता के अनुभव के आधार पर मुझे ये कहने में कोई संकोच नहीं है कि भारत पहली बार एक नए वातावरण में आम चुनाव में जा रहा है। इस आम चुनाव में विपक्ष हो या न हो इसे कोई फर्क नहीं पड़ता । जनादेश मिले या न मिले इससे भी शायद कोई फर्क न पड़े क्योंकि हमारे कार्यवाहक प्रधानमंत्री ने तो अपने आपको अगला प्रधानमंत्री घोषित कर दिया है। इससे जाहिर है कि सत्तारूढ़ भाजपा में लोकतंत्र को पहले ही चादर उढ़ाकर सुला दिया गया है । आने वाले सांसदों को अपने दल का नेता चुनने का अवसर मिलने वाला ही नहीं है। उन्हें तो बस हाथ उठाना है । मेजें थपथपाना है। कालातीत हो रही संसद में भी सत्तारूढ़ दल के सांसदों ने पूरे पांच साल मजे थपथपाई हैं या फिर मोदी-मोदी अथवा जयश्रीराम के नारे लगाए हैं।

एक तरह से ये जो भी हुया वो अच्छा ही हुआ । अब जनता के सामने ये विकल्प है कि वो नयी संसद में कैसे सांसद चुनकर भेजे ? मेजें थपथपाने वाले ,नारे लगाने वाले,गालियां देने वाले या फिर सचमुच जनता के मुद्दों को उठाने वाले ,उनको लेकर बहस करने वाले सांसद। जनता को सुविधा है कि वो अपनी पसंद की पार्टी के सांसदों को चुने ,वो तय कर सकती है कि उसे रत्न के टुकड़ों पर लट्टू होने वाले सांसद चाहिए या नहीं ? हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी 11 फरवरी से मध्यप्रदेश से अपनी पार्टी के चुनाव अभियान का श्रीगणेश करने जा रहे है। कांग्रेस के राहुल गांधी तो पहले से सड़कों पर हैं। देश में सरकार का इशारा मिलते ही केंद्रीय चुनाव आयोग भी अपना चुनावी कार्यक्रम घोषित कर देगा। भारत की जनता को चुनावों का लम्बा अनुभव है । देश में अब तक सत्रह बार आम चुनाव हो चुके हैं ,अठारहवीं बार आम चुनाव होने जा रहे हैं। लेकिन देश ने 18 के बजाय 19 प्रधानमंत्री देखे है। कुछ प्रधानमंत्री जनता ने नहीं संयोगों ने चुने। इनमें हाल ही में भारतरत्न प्राप्त चौधरी चरण सिंह, इंद्रकुमार गुजराल,चंद्रशेखर , एचडी देवगौड़ा जैसे खुशनसीब लोग भी शामिल है। कुछ ऐसे भी हैं जिन्होंने संसद का सामना ही नहीं किया,कुछ अपना कार्यकाल पूरा होने से पहले ही इस्तीफा देकर निकल गए ,लेकिन कुछ ऐसे भी हैं जिन्होंने बार-बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली।

बहरहाल बांग्लादेश और पाकिस्तान के बाद भारत में होने वाले आम चुनावों पर दुनिया की नजर लगी है।

भाजपा पहली बार अपनी उपलब्धियों का काला टीका लगाकर चुनाव मैदान में उत्तर रही है । कांग्रेस बिखरे और आतंकित,भ्रमित विपक्ष के साथ चुनाव मैदान में है मुमकिन है कि चुनावों कि तारीखें घोषित होने तक कांग्रेस एकल चुनाव मैदान में खड़ी नजर आये। लेकिन चुनाव होंगे मजेदार । इन चुनावों में ईव्हीएम ,जनता और राजनीतिक दलों के साथ झूठ,सच,धर्म और धर्मनिरपेक्षता के सतह ही राजा राम की भी अग्निपरीक्षा है।

अंधविश्वास के विरुद्ध आवाज ऊठाई थी महर्षि दयानंद ने!

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

बासन्ती बयार में 12 फरवरी सन 1824 को जन्मे महर्षि दयानंद सरस्वती एक ऐसे समाज सुधारक हुए, जिन्होंने सन 1875 में आर्य समाज की स्थापना करके समाज को जागृत करने का कार्य किया। ताकि उस समय में व्याप्त सामाजिक विषमताओं का मुकाबला किया जा सके। आर्य समाज ने सामाजिक सुधारों और शिक्षा पर जोर देकर देश की सांस्कृतिक और सामाजिक जागृति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।स्वामी दयानंद सरस्वती ने बाल विवाह, सती प्रथा जैसी कुरीतियों को दूर करने में अपना खास योगदान दिया है। उन्होंने वेदों को सर्वोच्च माना और वेदों का प्रमाण देते हुए हिंदू समाज में फैली कुरीतियों का विरोध किया।दयानंद सरस्वती एक भारतीय दार्शनिक, सामाजिक नेता और वैदिक धर्म के सुधार आंदोलनकारी थे। उन्होंने सबसे पहले सन1876 में भारत भारतीयों के लिए स्वराज का आह्वान किया था, जिसे बाद में लोकमान्य तिलक ने इसे अपनाया। दयानंद सरस्वती का वास्तविक नाम मूलशंकर था और उनका प्रारंभिक जीवन बहुत जिज्ञासा के साथ बीता।जीवन मे पांडित्य प्राप्त करने के लिए वे संस्कृत, वेद, शास्त्रों व अन्य धार्मिक पुस्तकों के अध्ययन में लग गए।बचपन में शिवरात्रि के दिन स्वामी दयानंद का पूरा परिवार रात्रि जागरण के लिए एक मंदिर में रुका हुआ था। सारे परिवार के सो जाने के पश्चात भी वे जागते रहे कि भगवान शिव आयेंगे और प्रसाद ग्रहण करेंगे। उन्होंने देखा कि शिवजी के लिए रखे भोग को चूहे खा रहे हैं। यह देख कर वे बहुत आश्चर्यचकित हुए और सोचने लगे कि जो ईश्वर स्वयं को चढ़ाये गये प्रसाद की रक्षा नहीं कर सकता वह मानवता की रक्षा क्या करेगा? इस बात पर उन्होंने अपने पिता से बहस की और तर्क दिया कि हमें ऐसे असहाय ईश्वर की उपासना नहीं करनी चाहिए।उन्होंने सिर्फ हिंदू ही नहीं बल्कि ईसाई और इस्लाम धर्म में फैली बुराइयों का कड़ा खण्डन किया।उन्होंने अपने महाग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश में सभी मतों में व्याप्त बुराइयों का खण्डन किया है। उन्होंने वेदों का प्रचार करने और उनकी महत्ता लोगों को समझाने के लिए देश भर में भ्रमण किया।स्वामी दयानंद सरस्वती ने स्वराज का नारा देकर कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक एक भाषा हिंदी को अपनाने की बात कही थी। स्वामी दयानंद सरस्वती ने वेदों के प्रकांड विद्वान स्वामी विरजानंद जी से शिक्षा ग्रहण की थी। उन्होंने वेदों को सर्वोच्च माना और वेदों का प्रमाण देते हुए हिंदू समाज में फैली कुरीतियों का विरोध किया। स्वामी दयानंद सरस्वती निर्भय होकर समाज में व्यापत बुराईयों से लड़ते रहे और संन्यासी योद्धा कहलाए। दयानंद सरस्वती ने सन 1875 में मुंबई में आर्य समाज की स्थापना की थी। आर्य समाज के द्वारा ही उन्होंने बाल विवाह, सती प्रथा जैसी कुरीतियों को दूर करने और शिक्षा को बढ़ावा देने का काम किया।उनके पिता का नाम करशनजी लालजी तिवारी और माता का नाम यशोदाबाई था।उनके पिता एक कर-कलेक्टर होने के साथ ब्राह्मण परिवार के एक अमीर, समृद्ध और प्रभावशाली व्यक्ति थे। उन्होंने अपने महाग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश में सभी मतों में व्याप्त बुराइयों का खण्डन किया है। उन्होंने वेदों का प्रचार करने और उनकी महत्ता लोगों को समझाने के लिए देश भर में भ्रमण किया।उनके द्वारा स्थापित आर्य समाज का आदर्श वाक्य है- कृण्वन्तो विश्वमार्यम्, जिसका अर्थ है – विश्व को आर्य बनाते चलो। आर्य समाज की स्थापना का मुख्य उद्देश्य शारीरिक, आत्मिक और सामाजिक उन्नति है।आर्य समाज ने कई स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पैदा किए थे। आजादी से पहले आर्य समाज को क्रांतिकारियों को अड्डा कहा जाता था। स्वामी जी अपने उपदेशों के जरिए युवाओं में देश प्रेम और देश की स्वतंत्रता के लिए मर मिटने की भावना पैदा करते थे। महर्षि दयानंद ने तत्कालीन समाज में व्याप्त सामाजिक कुरीतियों तथा अन्धविश्वासों और रूढियों-बुराइयों को दूर करने के लिए, निर्भय होकर उन पर आक्रमण किया। जिसके चलते वह संन्यासी योद्धा कहलाए. उन्होंने जन्मना जाति का विरोध किया और कर्म के आधार पर वर्ण-निर्धारण की बात कही। दयानंद दलितोद्धार के पक्षधर थे। उन्होंने स्त्रियों की शिक्षा के लिए प्रबल आंदोलन चलाया था।21 साल की युवावस्था में दयानंद जी गृहस्ती का त्याग कर आत्मिक और धार्मिक सत्य की तलाश में निकल पड़े।सन 1845 से सन1869 तक उनका ये सफर जारी रहा। अपने इस 25 वर्ष की वैराग्य यात्रा में उन्होंने कई सारी दैविक क्रियाकलापों के बीच योगा का भी अभ्यास किया।आर्य समाज मूर्ति पूजा, पशुओं की बली देने, मंदिरों में चढ़ावा देने, जाति विवाह, मांस का सेवन, महिलाओं के प्रति असमानता की भावना जैसी मानसिकताओं के खिलाफ उन्होंने लोगों को जागरुक किया। महर्षि दयानंद सरस्वती को वेद और संस्कृति में महारथ हासिल थी। उन्होंने हमेशा ब्रह्मचार्य का पालन किया और इसे ईश्वर से मिलाप का सबसे प्रमाणित तरीका बताया। इसके अलावा उन्होंने महिलाओं से भेदभाव के प्रति समाज में फैली बुरी मानसिकता को भी मिटाने की कोशिश की।

महर्षि दयानंद सरस्वती के अनेक विचार किताबों के रूप में प्रकाशित हैं। उनके करीब 60 से ज्यादा संकलन मौजूद हैं। उनकी पुस्तक सत्यार्थ प्रकाश मार्गदर्शक सिद्ध हुई। 30 अक्टूबर सन 1883 को राजस्थान में मंत्र जाप करते हुए उन्होंने अपने प्राण त्याग दिए।एक बार लॉर्ड नार्थब्रुक ने स्वामी जी से कहा था, अपने व्याख्यान के प्रारम्भ में आप जो ईश्वर की प्रार्थना करते हैं, क्या उसमें आप अंग्रेजी सरकार के कल्याण की भी प्रार्थना कर सकेंगे, गर्वनर जनरल की बात सुनकर स्वामी जी सहज ही सब कुछ समझ गए। उन्हें अंग्रेजी सरकार की बुद्धि पर तरस भी आया, जो उन्हें ठीक तरह नहीं समझ सकी. उन्होंने निर्भीकता और दृढ़ता से गवर्नर जनरल को उत्तर दिया, मैं ऐसी किसी भी बात को स्वीकार नहीं कर सकता। मेरी यह स्पष्ट मान्यता है कि मैं अपने देशवासियों की निर्बाध प्रगति और हिन्दुस्तान को सम्माननीय स्थान प्रदान कराने के लिए परमात्मा के समक्ष प्रतिदिन यही प्रार्थना करता हूँ कि मेरे देशवासी विदेशी सत्ता के चुंगल से शीघ्र मुक्त हों।स्वामी जी की देहांत सन् 1883 को दीपावली के दिन संध्या के समय हुआ था। स्वामी दयानंद अपने पीछे एक सिद्धान्त छोड़ गए, कृण्वन्तो विश्वमार्यम् अर्थात सारे संसार को श्रेष्ठ मानव बनाओ.उनके अन्तिम शब्द थे - प्रभु! तूने अच्छी लीला की. आपकी इच्छा पूर्ण हो।महर्षि दयानंद के विचारों को बढ़ाने के लिए आज भी काम हो रहा है।फ़िल्म निर्देशक डॉ सुभाष अग्रवाल महर्षि दयानंद पर कई फिल्में बना चुके है,उन्होंने महर्षि दयानन्द का हिंदी पत्रकारिता में योगदान विषय पर शोध प्रबंध भी किया है।महर्षि दयानंद ने हरिद्वार में अंधविश्वास व कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाई थी,रुड़की में उन्हीं के द्वारा आर्य समाज भवन की स्थापना हुई।महर्षि दयानंद की गिनती दुनिया के महान सन्तो में होती है।उनके जन्म के 200 वर्ष पूरे होने पर केंद्र सरकार ने उनकी द्वि शताब्दी वर्ष भर मनाने का निर्णय लिया है।महर्षि दयानंद से प्रभावित होकर ही मेरे गांव नारसन कलां में महलनुमा आर्य समाज मंदिर स्थापित है,जहां नियमित यज्ञ व आर्य समाज का प्रचार किया जाता है।ऐसे महान संत एवं महर्षि को शत शत नमन।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतन व वरिष्ठ पत्रकार है)

विचार मंथन

राम राम के साथ सांसदों की सदन से विदाई

(लेखक- सनत जैन)

17वीं लोकसभा का आखिरी सत्र समाप्त हो गया। लोकसभा के सभी सदस्यों की सदन से विदाई हो गई। लोकसभा के सभी सदस्यों ने राम-राम के साथ आखिरी बैठक में राम मंदिर को लेकर सदन में धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। राम-राम के साथ ही सत्र में 17वीं लोकसभा की अंतिम बैठक संपन्न हो गई। कुछ माह पश्चात लोकसभा के चुनाव हैं। राम मंदिर निर्माण को लेकर आखिरी बैठक में चर्चा हुई। सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों ने अपने-अपने तरीके से अपनी-अपनी बातें राम मंदिर और रामराज को लेकर रखीं। भाजपा और एनडीए के सहयोगी दलों ने राम मंदिर निर्माण को मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि बताया। वहीं विपक्षी दलों ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश से राम मंदिर के निर्माण को सरकार का चुनावी मुद्दा बताते हुए, अपनी बात सदन में रखी। संसद के दोनों सदनों में भगवान राम की गूँज सुनाई दे रही थी। सत्ता पक्ष की ओर से पिछले 5 वर्षों की जो उपलब्धियां थीं, उनको भी गिनाया गया। राम मंदिर निर्माण के साथ रामराज लाने की बात भी सत्ता पक्ष द्वारा कही गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कहा गया, राम मंदिर पर प्रस्ताव लाकर देश को पहली बार गर्व करने की संवैधानिक शक्ति प्राप्त हुई है। यह प्रस्ताव आने वाली पीढ़ी को गोरांवित करेगा। उन्होंने यह भी कहा, कि संवेदना, संकल्प और सहानुभूति तीनों का ही समावेश भगवान राम में है। युग युगांतर तक हमारी पीढ़ियां राम मंदिर के निर्माण से अभिभूत होती रहेंगी। पहली बार लोकसभा में नियम 193 के तहत राम मंदिर निर्माण के संबंध में प्रस्ताव रखा गया। जिसे सदन ने ध्वनिमत से पारित कर दिया। प्रधानमंत्री ने अपने उद्बोधन में राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने के लिए अतुलनीय भूमिका को बताने का कोई मौका नहीं छोड़ा। विपक्ष ने विशेष रूप से कांग्रेस के नेताओं ने चर्चा के दौरान भगवान राम के नाम का राजनीतिकरण करने और लाभ लेने का आरोप सत्ता पक्ष पर लगाया। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु राम के गुणों का और रामराज के बारे में बताते हुए वर्तमान सरकार की कार्यप्रणाली को कटघरे में खड़ा किया। राम के नाम और राम मंदिर के निर्माण को लेकर सदन के किसी भी सदस्य ने आपत्ति नहीं जताई। विपक्ष ने सरकार की कथनी और करनी पर प्रश्न चिन्ह लगाते हुए, सत्ता पक्ष पर आरोप लगाया, कि वह राम के नाम पर व्यापार कर रही है। मर्यादा पुरुषोत्तम राम के आचरण और उनके शासन व्यवस्था के अनुरूप शासन ना करके अपने विरोधियों को उत्पीड़ित करने, सरकार से सवाल पूछने वालों को जेल भेजकर, राक्षसों जैसा व्यवहार कर रही है। राजनेता अपनी बात बहुत अच्छे तरीके से कहते हैं। जिससे जनमानस प्रभावित होता है। असम के सांसद गौरव गोगोई, उत्तर प्रदेश के सांसद प्रमोद तिवारी और हरियाणा के सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने भगवान राम के जीवन काल को आधार बनाकर, बाल्मीकि रामायण और तुलसीदास जी की रामचरित मानस का उल्लेख करते हुए, सरकार को घेरने का हर संभव प्रयास किया। इस कारण सरकार कई बार असहज भी हुई। बहरहाल 17वीं लोकसभा की आखिरी बैठक शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गई। सभी संसद सदस्यों ने राम राम करते हुए सदन से विदाई ली। सत्ता पक्ष चाहता था, कि विपक्ष राम मंदिर को लेकर कोई ऐसा विरोध करे, जिसे चुनावी मुद्दा बनाया जा सके। लेकिन विपक्ष इस मामले में सतर्क था। उसने सरकार को ऐसा कोई मौका नहीं दिया। विदाई के वक्त जैसे भाव होते हैं। वही भाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला एवं विपक्ष के नेताओं के उद्बोधन में दिखे। बहरहाल संवैधानिक व्यवस्था में जिस तरीके से राम मंदिर निर्माण का प्रस्ताव संसद में पास कराया गया है, भारतीय संविधान इसकी इजाजत नहीं देता है। किसी धर्म विशेष को लेकर या किसी धार्मिक स्थल को लेकर इस तरह के प्रस्ताव पर, कभी संसद में चर्चा नहीं हुई। ना ही कोई प्रस्ताव संसद में इस तरह से पारित किया गया है। 2024 का लोकसभा चुनाव सत्ताधारी पार्टी, भगवान राम के नाम पर ही लड़ने जा रही है। वह इसे अभी तक की सबसे बड़ी उपलब्धि बता रही है। सरकार जिस रास्ते पर चल रही है। उसके बाद यह आशंका व्यक्त की जा रही है, कि भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने की दिशा में वर्तमान सरकार आगे बढ़ चली है। सरकार राम मंदिर निर्माण को अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि बता रही है। संसद के दोनों सदनों में राम मंदिर निर्माण पर धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया गया है।

राम मंदिर निर्माण का श्रेय प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया गया है। भगवान राम के नाम पर वर्ष 1989 से लेकर अभी तक भारतीय जनता पार्टी का जो राजनीतिक सफर था, वह मंदिर निर्माण के साथ पूरा हो रहा है। इसके बाद काशी और मथुरा की नई लड़ाई भी शुरू होती हुई दिख रही है। राम मंदिर निर्माण का जो प्रस्ताव दोनों सदनों से पास हुआ है, निश्चित रूप से उसके बाद मथुरा और काशी का मामला भी नए रूप में सामने आएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पेटीएम ने एम दामोदरन की अगुवाई में बनाई ग्रुप एडवाइजरी कमेटी

नई दिल्ली । पेटीएम का संचालन करने वाली कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस ने अपनी सहयोगी इकाई पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर की गई कार्रवाई के बीच सेबी के पूर्व चेयरमैन एम दामोदरन की अध्यक्षता में एक ग्रुप एडवाइजरी कमिटी का गठन करने की घोषणा की। वन97 कम्युनिकेशंस ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा कि यह कमेटी रेगुलेटरी मामलों पर कंपनी को सलाह देगी।सेबी के पूर्व प्रमुख दामोदरन इस समिति के प्रमुख बनाए गए हैं। इसमें इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष एमएम चितले और आंध्रा बैंक के पूर्व चेयरमैम और मैनेजिंग डायरेक्टर आर रामचंद्रन भी शामिल हैं। कंपनी ने कहा कि ग्रुप एडवाइजरी कमेटी निदेशक मंडल के साथ मिलकर काम करेगी और जरूरत होने पर अतिरिक्त सदस्यों को शामिल करने का फैसला करेगी। इस समिति की स्थापना ऐसे समय में हुई है जब पेटीएम के फाउंडर और सीईओ विजय शेखर शर्मा के स्वामित्व वाला पेटीएम पेमेंट्स बैंक आरबीआई की जांच के दायरे में आ गया है। रिजर्व बैंक ने 31 जनवरी को एक निर्देश में पेटीएम पेमेंट्स बैंक को 29 फरवरी के बाद ग्राहक अकाउंट्स, वॉलेट, फास्टैग और अन्य इंस्ट्रूमेंट में जमा या टॉप-अप स्वीकार करना बंद करने को कहा था।

गोल्ड प्लस ग्लास ने सेबी के पास जमा किए आईपीओ दस्तावेज

नई दिल्ली । गोल्ड प्लस ग्लास इंडस्ट्री लिमिटेड ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए राशि एकत्रित करने के लिए शुरुआती दस्तावेज जमा कर दिए हैं। दस्तावेजों के मुताबिक फ्लोट ग्लास विनिर्माता कंपनी आईपीओ के तहत 500 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी करेगी। इस के अलावा प्रवर्तक और निवेशक शेयरधारकों की ओर से 1.56 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी लाई जाएगी। ओएफएस में शेयर बेचने वालों में सुरेश त्यागी, जिमी त्यागी, पीआई अपॉर्चुनिटीज फंड-एक और कोटक स्पेशल सिचुएशंस फंड शामिल हैं। दिल्ली की यह कंपनी 100 करोड़ रुपये के आईपीओ पूर्व नियोजन पर भी विचार कर सकती है। ऐसा होने पर निर्गम का आकार घट जाएगा। कंपनी आईपीओ से प्राप्त राशि में से 400 करोड़ रुपये का उपयोग कर्ज का भुगतातन करने में करेगी। इसके एक हिस्से का इस्तेमाल सामान्य कंपनी कामकाज में किया जाएगा। गोल्ड प्लस देश की प्रमुख फ्लोट ग्लास विनिर्माताओं में से है। सितंबर, 2023 तक विनिर्माण क्षमता में इसकी हिस्सेदारी 22 प्रतिशत थी।

बीते सप्ताह माइक्रोसॉफ्ट का बाजार पूंजीकरण सबसे अधिक रहा

न्यूयॉर्क । माइक्रोसॉफ्ट का बाजार पूंजीकरण सप्ताह के ओ खिर में 3.125 ट्रिलियन डॉलर का रहा, जो अब तक किसी भी कंपनी के लिए सबसे अधिक है। कंपनी का मार्केट कैप एप्पल द्वारा निर्धारित पिछले रिकॉर्ड में सबसे ऊपर है, जो जुलाई में 3.09 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया था। एप्पल का 2.916 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट कैप के साथ समाप्त हुआ। एक रिपोर्ट के अनुसार माइक्रोसॉफ्ट 3.1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक मार्केट कैप (बाजार पूंजीकरण) के साथ बंद होने वाली पहली अमेरिकी कंपनी भी है। माइक्रोसॉफ्ट का स्टॉक सप्ताह के ओ खिर में 420.55 डॉलर पर बंद हुआ। पिछले 12 महीनों में, इसके शेयरों में 60 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जिसका मुख्य कारण इसके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सॉफ्टवेयर को लेकर उत्साह है। कंपनी ने पिछले महीने वॉल स्ट्रीट के पूर्वानुमानों से पहले तिमाही राजस्व और लाभ की सूचना दी और प्रबंधन ने कंपनी के एआई लाभ पर ध्यान दिया। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला ने उस समय एक बयान में कहा था` कि हम एआई के बारे में बात करने से लेकर एआई को बड़े पैमाने पर लागू करने की ओर बढ़ गए हैं।

देश के तेल-तिलहन बाजार में गिरावट रही

- कच्चा पामतेल और पामोलीन तेल के दाम पूर्व स्तर पर ही बंद हुए

नई दिल्ली ।

देश के तेल-तिलहन बाजार में सरसों, सोयाबीन तेल-तिलहन और बिनौला तेल कीमतों में कल गिरावट दर्ज की गई। महंगा होने के कारण मूंगफली तेल तिलहन और विदेशों से आपूर्ति कम होने के कारण कच्चा पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल पूर्व स्तर पर ही बंद हुए। हाजिर बाजार में सीपीओ की आपूर्ति बहुत कम है। शिकॉगो एक्सचेंज शे निवार रात 1.5 प्रतिशत मंदा बंद हुआ था। सोमवार को मलेशिया एक्सचेंज बंद है। मंगलवार को सीपीओ और पामोलीन का रुख स्पष्ट होगा। बाजार सूत्रों ने कहा कि मौसम खुलने के साथ मंडियों में सरसों का दवाब बढ़ना चालू हो गया है। मंडियों में सरसों न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से 10-12 प्रतिशत नीचे बिक रहा है। मौसम खुलने के साथ आगे सरसों की आवक बढ़ेगी और दाम आगे भी टूटने के आसार हैं। शनिवार को तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे= सरसों तिलहन 5,400-5,450 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली 6,150-6,225 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 14,500 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,165-2,440 रुपये प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 9,800 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी 1,675 -1,775 रुपये प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी 1,675 -1,780 रुपये प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 9,750 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 9,500 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला-8,150 रुपये प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला 8,200 रुपये प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 8,275 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 9,350 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स कांडला- 8,550 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना 4,700-4,730 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज 4,510-4,550 रुपये प्रति क्विंटल, मक्का खल (सरिस्का) 4,050 रुपये प्रति क्विंटल।

5-स्टार ग्लोबल एनसीएपी सेफ्टी रेटिंग वाली पंच ग्राहकों को आ रही पसंद

मुंबई। भारतीय बाजार में 7-8 लाख रुपये के बजट में लोगों को टाटा पंच खूब भा रही है। हाल ही में कंपनी ने पंच को सीएनजी वैरिएंट में सनरूफ के साथ लांच किया है। सीएनजी के वजह से पंच को चलाना और भी किफायती हो गया है। टाटा की ये 5-सीटर एसयूवी 5-स्टार ग्लोबल एनसीएपी सेफ्टी रेटिंग के साथ आती है। जनवरी 2024 में इंडियन मार्केट यह कार 14,383 यूनिट्स बिकी है जो कि एक नई कार के लिए अच्छा आंकड़ा है। पंच की कीमत 6 लाख रुपये से शुरू होकर 9.52 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक जाती है। इसमें 366 लीटर का बूटस्पेस मिलता है। पंच बाजार में अपना दबदबा बना चुकी है लगातार ब्रेजा, बलेनो और डिजायर जैसी मारुति की टॉप सेलिंग कारों को टक्कर दे रही है। कॉम्पैक्ट साइज होने के बावजूद पंच में 5 लोगों के बैठने के लिए पर्याप्त जगह मिलती है। इतना ही नहीं टाटा पंच में 366 लीटर का बूट स्पेस मिलता है। टाटा पंच में कंपनी 1.2 लीटर 3 सिलेंडर पेट्रोल इंजन का इस्तेमाल कर रही है। यह इंजन 88 बीएचपी की अधिकतम पॉवर और 115 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है। इसमें 5-स्पीड मैनुअल गियरबाक्स के साथ 5-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स का ऑप्शन मिलता है।

लाल सागर संकट से लागत हो सकती है प्रभावित: मारुति

- कंपनी ने पिछले वित्तीय वर्ष में लगभग 2.7 लाख कारों का निर्यात किया था

नई दिल्ली । लाल सागर संकट के कारण जहाजों के मार्ग बदलने से देश की प्रमुख कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) की लागत कुछ बढ़ सकती है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही है। वाहन क्षेत्र की इस प्रमुख कंपनी ने पिछले` वित्तीय वर्ष में लगभग 2.7 लाख कारों का निर्यात किया था। हालांकि कंपनी ने कहा है कि उसे नहीं लगता कि इस मुद्दे का उसके निर्यात पर कुछ विशेष प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा` कि लाल सागर मुद्दे के कारण हमें कुछ लॉजिस्टिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। जोखिम और वाहनों के मार्ग में बदलाव की वजह से लागत में कुछ बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन यह उल्लेखनीय नहीं होगी। उन्होंने कहा कि माल निर्यात के समय में कुछ बदलाव हो सकता है। इससे जहाजों के आने और निर्यात के लिए वाहनों के उठाव में कुछ अनिश्चितता देखने को मिल सकती है। भारती ने कहा कि यह एक छोटा मुद्दा है, लेकिन निर्यात कारोबार में एक सामान्य बात है। लाल सागर जलडमरू मध्य वैश्विक कंटेनर यातायात के 30 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार के 12 प्रतिशत के लिए महत्वपूर्ण है। यूरोप के साथ भारत का लगभग 80 प्रतिशत वस्तुओं का व्यापार इसी मार्ग से होता है। उन्होंने कहा कि मारुति सुजुकी ने इस दशक के ओ खिर तक कम से कम 7.5 लाख वाहनों के निर्यात करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि अफ्रीका एक अच्छा बाजार बनता जा रहा है और कई कारणों से पश्चिम एशिया क्षेत्र ने हाल काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। सरकार कुछ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर हस्ताक्षर कर रही है, जिसमें कंपनी को शुल्क में कुछ राहत मिल सकती है। उन्होंने कहा कि मारुति इस साल बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों (बीईवी) का उत्पादन शुरू करने की तैयारी कर रही है।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से चार कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.18 लाख करोड़ बढ़ा

- रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 मूल्यवान कंपनियों में से चार के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 2.18 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। सबसे अधिक लाभ भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को हुआ। प्रमुख 10 कंपे नियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एलआईसी और एसबीआई के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई। इन कंपनियों का बाजार मूल्यांकन 2,18,598.29 करोड़ रुपये बढ़ गया। वहीं एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, भारती एयरटेल, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी के बाजार मूल्यांकन में सामूहिक रूप से 1,06,631.39 करोड़ रुपये की गिरावट आई। समीक्षाधीन सप्ताह में एलआईसी का बाजार मूल्यांकन 86,146.47 करोड़ रुपये बढ़कर ,83,637.38 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान एसबीआई की बाजार हैसियत 65,908.26 करोड़ रुपये बढ़कर 6,46,365.02 करोड़ रुपये हो गई। टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 61,435.47 करोड़ रुपये बढ़कर 15,12,743.31 करोड़ रुपये और रिलायंस इंडस्ट्रीज का 5,108.09 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 19,77,136.54 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस रुख के ` विपरीत एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 32,963.94 करोड़ रुपये घटकर 10,65,808.71 करोड़ रुपये रह गया। आईटीसी का मूल्यांकन 30,698.62 करोड़ रुपये घटकर 5,18,632.02 करोड़ रुपये पर आ गया।

भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 16,132.15 करोड़ रुपये घटकर 6,31,044.50 करोड़ रुपये रह गई। इन्फोसिस का मूल्यांकन 10,044.09 करोड़ रुपये कम होकर 6,92,980.35 करोड़ रुपये रह गया। आईसीआईसीआई बैंक के मूल्यांकन में 9,779.06 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 7,09,254.77 करोड़ रुपये पर आ गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 7,013.53 करोड़ रुपये घटकर 5,69,587.91 करोड़ रुपये रह गया। प्रमुख 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। इसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, एलआईसी, भारतीय स्टेट बैंक, भारती एयरटेल, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

ईरान के सेब ने गिराए हिमाचली सेब के भाव

- बागवानों को 800 रुपये प्रति पेटी का नुकसान

शिमला ।

अवैध रूप से भारत पहुंच रहे ईरान के सेब ने हिमाचली सेब के दाम गिरा दिए हैं। विदेशी सेब सस्ता होने के कारण हिमाचल को अच्छे दाम नहीं मिल पा रहे हैं। हालात यह है कि जुलाई-अगस्त में सीजन के दौरान जो सेब 2000 रुपये बॉक्स बिका था, वह सेब कोल्ड स्टोर से निकालने के बाद अब 1500 रुपये पेटी बिक रहा है। दाम गिरने से बागवानों को प्रति पेटी करीब 800 रुपये का नुकसान हो रहा है। बता दें कि सेब को स्टोर रखने का करीब 300 रुपये प्रति बॉक्स खर्च देना पड़ता है। हर साल हिमाचल का करीब एक करोड़ पेटी सेब स्टोर होता है। ईरानी सेब अफगानिस्तान के रास्ते अवैध रूप से भारत पहुंच रहा है। साफ्ता (साउथ एशियन फ्री ट्रेड एरिया) के चलते बिना शुल्क चुकाए ईरानी सेब भारत पहुंच रहा है। खर्चा कम होने के कारण यह सस्ता है। जानकारी के मुताबिक ईरानी सेब का एक बॉक्स 1,000 से 1,200 रुपये में बिक रहा है। सस्ता होने के कारण हिमाचली सेब को उचित दाम नहीं मिल रहे। दिल्ली की आजादपुर मंडी में रोज ईरानी सेब के 15 से 20 एसी कंटेनर पहुंच रहे हैं। दक्षिण भारत की मंडियों में भी ईरानी सेब की आमद बहुत अधिक है। खरीदारों को ईरानी सेब सस्ता मिल रहा है।

हालांकि, मंडियों में निजी कंपनियों के प्रीमियम सेब को अच्छे दाम मिल रहे हैं। अदाणी, बीजा, देवभूमि सहित अन्य कंपनियों ने सीजन में बागवानों से प्रीमियम सेब की किलो के हिसाब से खरीद की थी। अब सेब के अच्छे दाम मिल रहे हैं। बिना आयात शुल्क चुकाए अवैध रूप से कम खर्चे में ईरानी सेब भारत पहुंच रहा है। ईरानी सेब का अवैध आयात बंद करने की मांग केंद्र सरकार से पहले भी कई बार की है, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। यूरोपियन देशों में ईरानी सेब प्रतिबंधित है।

एआई से उत्पन्न होने वाले खतरों से सचेत रहें बैंक: आरबीआई के डिप्टी गवर्नर

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर टी रवि शंकर ने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र और इससे जुड़े लोगों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से उत्पन्न होने वाले कानूनी, साइबर जोखिमों और कौशल की कमी जैसे जोखिमों के प्रति सचेत रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि एआई और जेनएआई को अपनाने के साथ कानूनों को फिर से परिभाषित किया जाना है। उद्योग को यह ध्यान देना चाहिए कि डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (डीपीडीपी) अधिनियम के नियम जल्द ही आने वाले हैं और हो सकता है कि बैंक इनमें से कुछ का उल्लंघन कर दें। इसलिए तैयारी महत्वपूर्ण है। उन्होंने मुंबई में भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के द्वारा आयोजित 19वें वार्षिक बैंकिंग प्रौद्योगिकी सम्मेलन में कहा कि बैंकों को ग्राहक सुविधा के बारे में सोचने और उसके अनुसार सेवाएं देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हम जब नियम बनाते हैं, तो हमें इसे ग्राहकों के लिए सुविधाजनक बनाने के बारे में सोचना चाहिए और इसमें लगातार सुधार करना चाहिए। डिप्टी गवर्नर शंकर ने कहा कि हर नई तकनीक ने कुछ नौकरियां खत्म की हैं लेकिन नई नौकरियां पैदा भी की हैं। ऐसे में कार्यबल को प्रशिक्षित करने की जरूरत है।

खुदरा महंगाई आंकड़े, एफआईआई से तय होगी बाजार की चाल

- कच्चे तेल की कीमतें और संस्थागत निवेशकों का प्रवाह भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगा

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नीतिगत दरों को लगातार छठी बार बरकरार रखने के फैसले से निराश निवेशकों की चौतरफा बिकवाली से बीते सप्ताह गिरावट में रहे घरेलू शेयर बाजार की` दिशा इस सप्ताह जनवरी की थोक और खुदरा महंगाई के आंकड़े, कच्चे तेल की कीमत, डॉलर सूचकांक और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के रुख से तय होगी। विश्लेषकों के अनुसार इस सप्ताह जनवरी की थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई के आंकड़े आने वाले है। साथ ही कोल इंडिया, एचएएल, एनएचपीसी, सेल, भेल, हिंडाल्को, आईआरसीटीसी, एमटीएनएल और ओआईएल समेत कई दिग्गज कंपनियों के वित्त वर्ष 2023-24 की दिसंबर में समाप्त तीसरी तिमाही के परिणाम भी जारी होने वाले हैं। इस सप्ताह बाजार की चाल निर्धारित करने में इन कारकों की अहम भूमिका रहेगी। इनके अलावा अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत, दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति और एफआईआई के निवेश रुख पर भी बाजार की नजर रहेगी।

एक अन्य बाजार विशेषज्ञ ने कहा कि इस सप्ताह घरेलू और वैश्विक दोनों मोर्चों पर वृहद आर्थिक आंकड़े आने हैं। औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) और खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े 12 फरवरी को जारी होंगे। वहीं थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े 14 फरवरी को आएंगे। अमेरिका के खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े 13 फरवरी तथा खुदरा बिक्री के आंकड़े 15 फरवरी को घोषित किए जाएंगे। इन आंकड़ों के बीच अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल तथा डॉलर सूचकांक में उतार-चढ़ाव पर सभी की नजर रहेगी। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतें और संस्थागत निवेशकों का प्रवाह भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगा। सप्ताह के दौरान एनएचपीसी, सेल, बीएचईएल, हिंदुस्तान कॉपर, महिंद्रा एंड महिंद्रा और अन्य कंपनियां अपने दिसंबर तिमाही के नतीजों की घोषणा करेंगी।

लेडी दानवीर कर्ण मैकेंजी स्कॉट ने अब तक दान किए 1.32 लाख करोड़

- अब भी 3 लाख करोड़ की मालकिन, पूर्व पति से मिली थी दौलत

सैन फ्रांसिस्को ।

यहां एक ऐसी महिला की बात की जा रही है जिन्हें लेडी दानवीर कर्ण कहा जाए तो यह गलत नहीं होगा। वह दानवीर होने के मामले में कर्ण की बराबरी तो नहीं कर पाएंगी लेकिन आज के समय में वह इस मामले में कई महिलाओं से आगे हैं। हम बात कर रहे हैं मैकेंजी स्कॉट की।

मैकेंजी स्कॉट अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस की पूर्व पत्नी हैं। उन्हें बेजोस से अलग होने के बाद अमेजन में 4 फीसदी हिस्सेदारी मिली थी। 2021 में उनकी नेटवर्थ 51 अरब डॉलर से अधिक हो गई थी। हालांकि उन्होंने अपनी अधिकांश संपत्ति दान देने की बात कुछ साल पहले कही थी और तब से वह ऐसा कर भी कर रही हैं।

उन्होंने पिछले साल अमेजन के 10 अरब डॉलर के शेयर बेच दिए. इस राशि का वह क्या करेंगी यह तो अभी साफ नहीं है लेकिन काफी अधिक संभावनाएं हैं इसका इस्तेमाल भी वह चैरिटी के लिए कर सकती हैं। मैकेंजी स्कॉट ने गिविंग प्लेज पर हस्ताक्षर किये हैं। इसे दुनियाभर के कई बड़े रईसों ने साइन किया है। इसके तहत इन लोगों ने अपनी अधिकांश संपत्ति दान करने का प्रण लिया है। मैकेंजी अब तक 16 अरब डॉलर दान कर चुकी हैं। यह भारतीय करेंसी में 1.32 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। संभवतः अभी वह और काफी दौलत दान करेंगी। उनका और जेफ बेजोस का तलाक दुनिया के सबसे महंगे तलाकों में से एक रहा था।

उन्हें इसके बदले अमेजन में 4 फीसदी शेयर मिले थे। इसकी वैल्यू 2019 में करीब 36 अरब डॉलर थी जो बाद काफी बढ़ गई। फोर्ब्स के मुताबिक शेयर बेचने के बावजूद अब भी उनकी कुल नेटवर्थ 37 अरब डॉलर है। भारतीय करेंसी में यह 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। मैकेंजी एक लेखिका भी हैं। उन्होंने पहला उपन्यास 2005 में लिखा था। इसका नाम द टेस्टिंग ऑफ लूथर अलब्राइट था। इसके लिए उन्हें 2006 में अमेरिकन बुक अवॉर्ड मिला था। वह फोर्ब्स की पावरफुल महिलाओं की सूची में 13वें स्थान पर हैं। मैकेंजी न सिर्फ जेफ बेजोस की पत्नी थी बल्कि वह अमेजन के शुरुआती सदस्यों में से एक थीं। उनकी शादी 1993 में हुई थी और 2019 में दोनों का तलाक हो गया था।

देश के कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हुआ बदलाव

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी नजर आ रही है। रविवार को डब्ल्यूटीआई क्रूड बढ़कर 76.84 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 82.19 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा भाव जारी कर दिए हैं। भारत में हर सुबह 6 बजे ईंधन के दामों में संशोधन किया जाता है। जून 2017 से पहले कीमतों में संशोधन हर 15 दिन के बाद किया जाता था। पश्चिम बंगाल में पेट्रोल की कीमत में 44 पैसे और डीजल में 41 पैसे की गिरावट है। मध्य प्रदेश में पेट्रोल 30 और डीजल 28 पैसे सस्ता हो गया है। हरियाणा, गुजरात और छत्तीसगढ़ में भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में गिरावट दिख रही है। दूसरी ओर हिमाचल में पेट्रोल 26 पैसे और डीजल 25 पैसे महंगा हो गया है। महाराष्ट्र और केरल में भी पेट्रोल और डीजल के दाम में वृद्धि हुई है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.58 रुपये और डीजल 89.77 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.80 रुपये और डीजल 94.56 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

देश का सबसे बड़ा गैस आयात सौदा है कतर से एलएनजी खरीद का अनुबंध

नई दिल्ली ।

पेट्रोनेट द्वारा 2029 से 20 साल के लिए कतर से सालाना 75 लाख टन तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) खरीद अनुबंध का नवीकरण संभवत- दुनिया में इस ईंधन की खरीद का सबसे बड़ा सौदा है। इससे भारत को स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिलेगी। अधिकारियों ने यह बात कही है। पेट्रोनेट के वे रिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि मूल 25-वर्षीय समझौते पर 1999 में हस्ताक्षर किए गए थे और इसमें आपूर्ति 2004 में शुरू हुई थी। तब से कतर ने कभी एक भी खेप में चूक नहीं की है और न ही उसने दाम काफी ऊंचे होने के दौरान भारतीय कंपनी द्वारा आपूर्ति नहीं लेने की वजह से खरीदों या भुगतान करो प्रावधान के तहत कोई जुर्माना लगाया है। विस्तारित अनुबंध के तहत आपूर्ति पेट्रोनेट द्वारा उन 52 खेप (कार्गो) की डिलिवरी लेने के बाद शुरू होगी जो वह 2015-16 में कीमतों में उछाल की वजह से लेने में विफल रही थी। हालांकि अनुबंध की मात्रा कभी नहीं बदली है, लेकिन कीमत

में चार बार बदलाव हुआ है। इसमें ताजा मामला भी शामिल है, जिसमें अनुबंध विस्तार पर नए सिरे से बातचीत हुई है। इसके अलावा जिस गैस की आपूर्ति का वादा किया गया था उसकी संरचना भी बदल गई है। रासगैस जिसे अब कतर एनर्जी के नाम से जाना जाता है, ने मूल रूप से ईथेन और प्रोपेन तत्वों वाली रिच गैस की आपूर्ति के लिए अनुबंध किया था, जिसका इस्तेमाल पेट्रोरसायन परिसरों में किया जाता है। इसने सालाना 50 लाख टन (एमटी) एलएनजी की आपूर्ति की है जिसमें मीथेन के साथ-साथ ईथेन और प्रोपेन युक्त गैस की आपूर्ति शामिल है।

सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने दूसरी बार जीता दक्षिण अफ्रीकी 20 खिताब

जोहांसर्ग (एजेंसी)। सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने डरबन सुपर जाइंट्स को 89 रन से हराकर दूसरी बार दक्षिण अफ्रीकी 20 खिताब जीता है। इस प्रकार लीग के पहले सत्र में भी सनराइजर्स को शानदार जीत मिली है। सनराइजर्स की जीत में मार्को यानसेन की अहम भूमिका रही। यानसेन ने खिताबी मुकाबले में शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट लिए। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स ने 20 ओवर में तीन विकेट खोकर 204 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए डरबन टीम 17 ओवर में 115 रन ही बना पायी। मुकाबले के दौरान तेज गेंदबाज यानसेन ने चार ओवर में 30 रन देकर पांच खिलाड़ियों को आउट किया। उन्होंने लीग में सबसे ज्यादा 20 विकेट लिए।

इस मैच में सनराइजर्स के बल्लेबाजों ने आक्रामक खेल दिखाया। कप्तान एडेन मार्कराम ने तेजी से बल्लेबाजी करते हुए तीन चौकों और दो छक्कों की सहायता से 42 रन बनाये जबकि प्लेयर आफ द मैच बने टॉम एबेल ने 55 रन बनाये। वहीं ट्रिस्टान स्टब्स ने 56 रनों की पारी खेली। वहीं डरबन की ओर से कप्तान केशव महाराज ने चार ओवर में 33 रन देकर दो विकेट लिये पर अन्य गेंदबाज विकेट नहीं ले पाये। सनराइजर्स की ओर से सलामी बल्लेबाज जोर्डन हर्नान ने 42 रन जबकि एबेल ने दूसरे विकेट के लिए साझेदारी करते हुए 90 रन बटोरे। । इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए डरबन की शुरूआत अच्छी नहीं रही। उसके तीन बल्लेबाज चौथे ओवर में ही आउट हो गये। क्विंटोन डिकॉक तीन रन ही बना पाये। वहीं मैथ्यू ब्रीज्के भी 18 रन ही बना पाये। जेजे स्मट्स को यानसेन ने पेवेलियन भेजा। डरबन की ओर से केवल तीन खिलाड़ी ही दो अंकों तक पहुंच पाये। वियान मूल्डर ने सबसे अधिक 38 रन बनाये। वहीं ड्वेन प्रटोरियस ने 28 और जूनियर डाला ने 15 रन बनाये।

चेन्नई ओपन टेनिस में नागल और नारदी के बीच होगा खिताबी मुकाबला

चेन्नई (एजेंसी)। भारत के सुमित नागल चेन्नई ओपन टेनिस के पुरुष एकल के फाइनल में पहुंच गये हैं। सुमित ने सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त चेक गणराज्य के डेलिबोर स्विरसीना को सीधे सेटों में 6-3, 6-4 से हराया। ये मुकाबला करीब दो घंटे तक चला। अब खिताबी मुकाबले में नागल का सामना इटली के शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी लुका नारदी से होगा।

वहीं एक अन्य सेमीफाइलन मुकाबले में नारदी ने चीनी ताइपे के गैर वरीय खिलाड़ी चुन सीन त्सेंग को कड़े संघर्ष के बाद 6-4, 4-6, 7-6 (6) से हराया। ये मुकाबला करीब तीन घंटे तक चला। वहीं पुरुष युगल फाइनल में भारत के साकेत माइनेनी और रामकुमार रामनाथन ने जीत दर्ज की। इस जोड़ी ने फाइनल में ऋत्विक बोल्लिपल्ली और निकी पूनाचा को 3-6, 6-3, 10-5 से हराया।

ओटनील को टी20 विश्व कप टीम में शामिल करें : स्टेन

जोहांसबर्ग (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने एसए 20 लीग में बेहतर प्रदर्शन के लिए ओटनील बार्टमैन की प्रशंसा की है। ओटनील ने सनराइजर्स ईस्टर्न केप की ओर से खेलते हुए एसए 20 लीग के दूसरे सत्र के क्वालीफायर में डरबन के सुपर जाइंट्स के खिलाफ लगातार दो विकेट लिए थे। स्टेन ने कहा कि 2024 टी20 विश्व कप टीम में बार्टमैन को शामिल किया जान चाहिये। उन्होंने कहा कि कैरेबियाई हालातों में वह अहम भूमिका निभा सकता है। स्टेन ने कहा कि ओटनील , कसीगो रबाडा, एनगिडी, एनरिक नॉर्टजे और अन्य के साथ किसी भी टीम पर हावी हो सकते हैं। इसलिए चयनकर्ताओं को उस पर नजर रखनी चाहिए, वह दबाव में अच्छा प्रदर्शन कर सकता है। इसके साथ ही डेथ ओवरों और पावरप्ले में भी गेंदबाज कर सकता है।

इसके अलावा स्टेन ने कहा कि जिस प्रकार वह गेंदबाजी करता है उससे वह भारतीय टीम के मो शमी जैसा नजर आता है। स्टेन से बार्टमैन की निरंतरता के बारे में पूछा गया तो वह हैरान रह गए और उन्होंने बार्टमैन की गेंदबाजी में सटीकता के कारण उनकी तुलना शमी से की। स्टेन ने कहा कि मैंने किसी अन्य दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज में ऐसी सीम पोजीशन कभी नहीं देखी, वह बिल्कुल शमी जैसा लगाता है। तेज गेंदबाजी का सबसे अहम हिस्सा आपकी कलाई की स्थिति है और आप गेंद की सीम को कहां गिरा रहे हैं, और जब मैं बार्टमैन को देखता हूं तो वह शमी के समान गेंदबाजी करता है। शमी सीम और कलाई के जरिये ही खेल पर नियंत्रण करता है। स्टेन ने कहा कि नॉर्टजे और कैगिसो रबाडा सभी अन्य महान गेंदबाजों के करीब हैं लेकिन जो बात बार्टमैन को अलग करती है वह उसकी सीम स्थिति और डिलीवरी की सटीक लंबाई है। जिस तरह से उन्होंने क्वॉलिफायर में क्वॉलिटी गेंदबाजी की वह बेहतरीन थी। ओटनील बार्टमैन ने एसए20 सीज़न 2 में केवल 7 मैचों में 12.18 की शानदार औसत से 16 विकेट अपने नाम किए हैं।

चौथे टेस्ट में बुमराह को मिल सकता है आराम

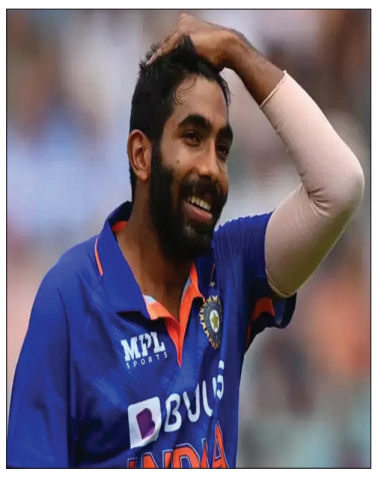

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच से बाहर हो सकते हैं। इसका कारण है कि टीम प्रबंधन उन्हें आराम दे सकता है। बुमराह पिछले कुछ समय से लगातार खेल रहे हैं। ऐसे में कार्यभार प्रबंधन के तहत ये फैसला लिया जा सकता है। तीसरा टेस्ट 15 फरवरी से गुजरात के सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला जाएगा। इसमें वह खेलेंगे पहले कहा जा रहा था कि उन्हें तीसरे टेस्ट में आराम दिया जाएगा। वहीं अब एक रिपोर्ट के अनसार अनुसार बुमराह को चौथे टेस्ट के लिए ब्रेक दिया जा सकता है पर पांचवे और अंतिम टेस्ट में शामिल किया जा सकता है। चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन ने यह फैसला किया है कि बुमराह को रांची टेस्ट के लिए आराम दिया जाए। वह अगर चौथे टेस्ट में टीम से बार हुए तो मोहम्मद सिराज की टीम में वापसी हो सकती है। सिराज दूसरे टेस्ट से बाहर रहे थे।

बुमराह को दूसरे टेस्ट मैच में 9 विकेट लेने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला था। बुमराह की गेंदबाजी से ही भारतीय टीम को जीत हासिल करने में सहायता मिली थी।

आखिरी 3 टेस्ट के लिए भारतीय टीम इस प्रकार हैः रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उप कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, केएल राहुल, रजत पाटीदार, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), केएस भरत (विकेटकीपर), आर अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, आकाश दीप।

डब्ल्यूपीएल या अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में से कोई एक खेलें महिला क्रिकेटर : ईसीबी

लंदन । इंग्लैंड ओर वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा है कि महिला क्रिकेटर डब्ल्यूपीएल 2024 और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में से कोई एक खेलें। इसका कारण है कि 23 फरवरी से शुरु हो रहे डब्ल्यूपीएल के नॉकआउट मैचों के दौरान इंग्लैंड को न्यूजीलैंड के साथ टी20 सीरीज खेलनी है। ईसीबी के अनुसार डब्ल्यूपीएल के नॉकआउट मैचों के दौरान टीम को न्यूजीलैंड के साथ टी20 सीरीज खेलनी है जिसके लिए खिलाड़ियों का उपलब्ध होना जरुरी है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय सीरीज या फ्रेंचाइजी क्रिकेट में से किसी एक का चयन खिलाड़ियों को करना होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार ईसीबी ने कहा कि कि डब्ल्यूपीएल में खेलने वाली खिलाड़ियों के नाम पर न्यूजीलैंड में पहले तीन टी20 के लिए टीम चयन के लिए विचार नहीं किया जाएगा। ईसीबी इस दौरे के लिए अगले हफ्ते टीम घोषित कर सकता है। इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने महिला प्रीमियर लीग का कार्यक्रम घोषित किया था। डब्ल्यूपीएल 23 फरवरी से शुरु होगा। इसमें पहला मैच मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स में खेला जाएगा। ये मुकाबला मैच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में जबकि फाइनल मुकाबला 17 मार्च को नई दिल्ली में होगा।

हरमनप्रीत के दो गोल, भारत ने स्पेन को 4-1 से हराया

भुवनेश्वर (एजेंसी)। कप्तान हरमनप्रीत सिंह के दो गोल की मदद से भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शनिवार को यहां एफआईएच प्रो लीग मैच में स्पेन को 4-1 से करारी शिकस्त दी। हरमनप्रीत ने सातवें मिनट में पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला और इसके बाद 20वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल किया। अपना 199वां मैच खेल रहे हरमनप्रीत ने पेनाल्टी कार्नर पर अपने गोल की संख्या 150 पर पहुंचा दी है। जुगराज सिंह ने भी अच्छा खेल दिखाया और उन्होंने 24वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके भारत की तरफ से तीसरा गोल किया। ललित कुमार उपाध्याय ने 50वें मिनट में गोल करके भारत की आसान जीत सुनिश्चित की। स्पेन की तरफ से एकमात्र गोल 34वें मिनट में मार्क मिरालेस ने पेनल्टी स्ट्रोक पर किया। भारत अपना अगला मैच रविवार को नीदरलैंड के खिलाफ खेलेगा।

मैसी के नहीं खेलने से नाराज दर्शकों को टिकट की पचास फीसदी राशि लौटाएगी आयोजन समिति

नई दिल्ली । अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनन मैसी के हांगकांग में एक मैच में नहीं उतरने से विवाद गहरा गया है। इस मैच को देखने आये दर्शकों ने हंगामा कर दिया। जिसके बाद आयोजकों ने प्रशंसकों को टिकट की पचास फीसदी राशि वापस देने की पेशकश की है। हांगकांग में हुए इस फुटबॉल मैच के दौरान मैसी को देखने के लिए बड़ी तादाद में लोग आये थे पर उसे न पाकर से निराश हो गये। मेसी का मैच में उतरना था पर वह चोट के कारण पूरे समय तक बेंच पर बैठे रहे। इस मामले को लेकर आयोजकों ने सोशल मीडिया पर लोगों से माफी मांगी। इस मामले में आयोजकों ने मेसी से भी कहा था कि वह दर्शकों को समझाने का प्रयास करें। अनुबंध के अनुसार मेस्सी को 45 मिनट तक खेलना था पर वह चोटिल होने के कारण ऐसा नहीं कर पाये। आयोजक ने कहा, ''एक आयोजक ने कहा कि वह सरकार से चर्चा कर रहा है कि इस मामले को कैसे हल किया जाये और 50 फीसदी राशि वापस दी जाये। साथ ही कहा कि ये राशि अगले माह तक वापस देने की घोषणा हो जाएगी। आयोजक ने कहा कि हम अपनी जिम्मेदारी से बचने का प्रयास नहीं कर रहे।

रुतुराज, कॉनवे जैसी सलामी जोड़ी का लाभ सीएसके को मिला : गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसके पास सलामी जोड़ी के रुप में रुतुराज गायकवाड़ और डेवोन कॉनवे जैसे शानदार बल्लेबाज हैं। आईपीएल में रुतुराज और कॉनवे का शानदार काफी अच्छा रहा है। न्यूजीलैंड के कॉनवेने 16 मैचों में 139.70 की स्ट्राइक रेट से 672 रन बनाए हैं, वहीं रुतुराज ने 147.50 की स्ट्राइक रेट से 590 रन बनाए हैं। सीएसके की बल्लेबाजी की ताकत को लेकर गावस्कर ने कहा कि उसके पास हमेशा से ही बेहतरीन बल्लेबाज रहे हैं। उसके ये बल्लेबाज पहली ही गेंद से विरोधी टीम पर दबाव बनाने लगते हैं जिसका लाभ सीएसके को मिलता है। इसके अलावा उसके पास अच्छ फिनिशर भी हैं। गावस्कर ने कहा कि मुझे लगता है कि रुतुराज गायकवाड़ और डेवोन कॉनवे का बाएं और दाएं हाथ का संयोजन भी टीम के लिए फायदेमंद रहा है। टीम के पास लीग में सबसे बेहतर सलामी जोड़ी है। इसी कारण टीम को हमेशा अच्छी शुरुआत मिलती रही है। इससे आने वाले खिलाड़ियों पर दबाव घटता रहा है। रुतुराज और कॉनवे ने कई अहम साझेदारियां की जिसका भी लाभ उसे मिला है। दिल्ली कैपिटल्स के सबसे मजबूत गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ उन्होंने 141 रन की साझेदारी की। गावस्कर ने साथ ही कहा कि सीएसके की बल्लेबाजी में गहराई होने के अलावा वह लक्ष्य का पीछा करने में भी माहिर है।

मैक्सवेल के शतक की बदौलत आस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को हराकर जीती टी20 श्रृंखला

एडीलेड (एजेंसी)। आल राउंडर ग्लेन मैक्सवेल (नाबाद 120 रन) के रिकॉर्ड बराबरी वाले शतक से आस्ट्रेलिया ने रविवार को यहां दूसरे ट्वेंटी20 मैच में वेस्टइंडीज को 34 रन से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त हासिल की। मैक्सवेल ने 55 गेंद की पारी के दौरान आठ छक्के और 12 चौके जमाये। उन्होंने टिम डेविड (14 गेंद में 31 रन) के साथ 92 रन की साझेदारी करके आस्ट्रेलिया को चार विकेट पर 241 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाने में मदद की। यह मैक्सवेल का पांचवां टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक है जिससे उन्होंने भारतीय स्टार रोहित शर्मा के रिकॉर्ड की बराबरी की।

इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज ने पहले सात ओवर में पांच विकेट गंवा दिये। कप्तान रोवमैन पावेल (36 गेंद में 63 रन) और आंद्रे रसेल (16 गेंद में 37 रन) ने उम्मीद जगायी। लेकिन लक्ष्य इतना पड़ा था कि टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर 207 रन ही बना सकी। मार्कस स्टोइनिस ने 36 रन देकर तीन और पदार्पण कर रहे स्पेंसर जॉनसन ने 39 रन देकर दो विकेट झटके। आस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को होबार्ट में पहले टी20 में वेस्टइंडीज को 11 रन से हराया था। बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद आस्ट्रेलिया का स्कोर भी हालांकि 6.4 ओवर के बाद तीन विकेट पर 64 रन था। पर मैक्सवेल ने स्टोइनिस (15 गेंद में 16 रन) के साथ 82 रन की भागीदारी निभाने के बाद टिम डेविस के साथ 92 रन जोड़े।

आंद्रे रसेल के अंतिम ओवर में 25 रन बने। मैक्सवेल ने 50 गेंद में शतक जड़ दिया जो आस्ट्रेलिया में किसी टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेज शतक है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के रिली रोसोऊ के 2022 विश्व कप के दौरान बांग्लादेश के खिलाफ 52 गेंद में बनाये गये शतक के प्रदर्शन को पीछे छोड़ा। श्रृंखला का तीसरा टी20 मैच मंगलवार को पर्थ में खेला जायेगा।

एथलीट निर्मला श्योराण का करियर हुआ समाप्त, डोपिंग मामले में लगा आठ साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली (एजेंसी)। एथलीट निर्मला श्योराण पर डोपिंग मामले में दोषी साबित पाये जाने के बाद आठ साल का प्रतिबंध लगा दिया गया है। निर्मला को जांच में प्रतिबंधित पदार्थ के लिए पॉजिटिव पाया गया था। इसी को देखते हुए राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के अनुशासनात्मक पैनल ने उनपर ये प्रतिबंध लगाया है। इससे अब निर्मला का करियर एक प्रकार से समाप्त हो गया है। निर्मला पर इससे पहले भी 2018 में डोपिंग उल्लंघन के लिए चार साल का प्रतिबंध लगाया गया था। इसके बाद इस खिलाड़ी ने पिछले साल जून में भुवनेश्वर में राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चैम्पियनशिप से वापसी की थी।

नाडा के डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल ने अपने एक आदेश में निर्मला को सात अगस्त 2023 से आठ साल के लिए प्रतिबंधित किया गया है। नाडा से मिली जानकारी के अनुसार उन्हें 'एनाबोलिक एंड्रोजेनिक स्टेराइड' और 'टेस्टोस्टेरोन' के सेवन का दोषी पाया गया था। निर्मला ने 2017 एशियाई चैम्पियनशिप में महिलाओं की 400 मीटर स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता था पर डोपिंग के बाद उनका स्वर्ण पदक वापस ले लिया गया था। । ऐसे में उसके निलंबन से खेल को नुकसान हुआ है। इस खिलाड़ी ने साल 2016 रियो ओलंपिक में 400 मीटर और महिलाओं की चार गुणा 400 मीटर रिले में हिस्सा लिया था।

जल्द ही दर्शनों के लिए अयोध्या जाउंगा : केशव महाराज

केपटाउन । भारतीय मूल के दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर केशव महाराज ने कहा है कि जब भी वह भारत दौरे पर जाएंगे तो अयोध्या में भगवान राम के मंदिर में दर्शनों के लिए जरुर जाएंगे। केशव महाराज अपने धर्म और संस्कृति से जुड़े हुए हैं। इसी कारण जब भी वह मैदान पर पहुंचते हैं तो डीजे से 'राम सियाराम की धुनें बजने लगती हैं। यहां तक कि ये क्रिकेटर अपने बल्ले पर भी ओम का स्टिकर लगाते हैं। इस क्रिकेटर का कहना है कि वह जल्द ही अयोध्या जाना चाहते हैं। साथ ही कहा कि धर्म और अध्यात्म से कठिन हालातों से निकलने में उन्हें सहायता मिलती है। केशव ने कहा कि मैं काफी धार्मिक और अध्यात्म में रूचि रखने वाले परिवार से हूं। धर्म और अध्यात्म मुझ पर थोपे नहीं गए पर मैं महसूस करता हूं कि कठिन हालात में यह मुझे मार्गदर्शन और एक दृष्टिकोण देते हैं। मैं अपनी आस्था से काफी जुड़ा हुआ हूं। गौरतलब है कि केशव के परदादा उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर से साल 1874 में मजदूरी के लिए डरबन आए थे और उसके बाद वहीं बस गये। केशव ने कहा कि मैं घर पर सारे त्योहार मनाता हूं और सभी को संदेश देता हूं कि जीवन में कोई ना कोई आस्था जरूर होनी चाहिए। अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से वह इतने उत्साहित थे कि उसे लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट भी उन्होने कई पोस्ट किये थे। उन्होंने कहा कि मैं भगवान राम का अनन्य भक्त हूं और वह खास दिन था। इतने बड़े पैमाने पर ऐसा कुछ होना बहुत विशेष था। दुनिया में हर जगह ऐसा नहीं होता और मुझे खुशी है कि यह हुआ।

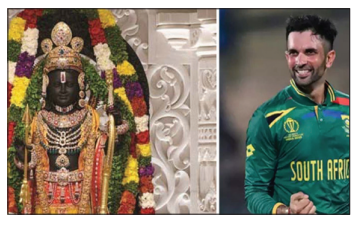

धोनी से सीखना चाहते हैं उभरते क्रिकेटर अवनीश

-सीएसके से खेलने को लेकर हैं उत्साहित

बेनोनी (एजेंसी)। भारतीय अंडर 19 क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज अरावेली अवनीश राव कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेलने को लेकर उत्साहित हैं। अवनीश को पिछले महीने हुई आईपीएल नीलामी में सीएसके ने 20 लाख रुपए के आधार मूल्य पर खरीदा था। इस क्रिकेटर ने कहा कि मुझे एक बार तो भरोसा ही नहीं हुआ था कि सीएसके ने मुझे शामिल किया है। मुझे पहले विश्वास करने में समय लगा। उन्होंने कहा कि अब मैं धोनी और सीएसके की ओर से बेहतर प्रदर्शन कर उसे गौरवान्वित करना चाहता हूं। साथ ही कहा कि सीएसके और धोनी सर की कप्तानी में खेलना हर क्रिकेटर का सपना होता है। मेरे लिए यह सपना सच होने जैसा है। अवनीश ने कहा कि मैं बचपन से ही क्रिकेटर बनना चाहता था। शुरुआत से ही मैच देखते देखते मेरी रूचि इस खेल में बढ़ गई। वह अब जल्दी से सीएसके का हिस्सा बनकर धोनी से बहुत कुछ सीखना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि मैं दबाव के हालात में दृढ रहना उनसे सीखना चाहता हूं। जब टीम अच्छा नहीं खेल रही हो, ऐसे में वह कैसे टीम को संकट से निकालते हैं और मैच जिताते हैं ये मुझे उनसे सीखना है। विश्व कप 2011 की उनकी मैच विजेता पारी से काफी कुछ सीखने को मिला है। नवंबर में 4 देशों की श्रृंखला में 376 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 93 गेंद में 163 रन बनाकर टीम को जीत दिलाने वाले इस क्रिकेटर ने विजय हजारे ट्रॉफी के जरिए लिस्ट ए क्रिकेट में हैदराबाद के लिए पदार्पण किया था। उन्होंने कहा कि मैं धोनी से स्पिनरों के सामने विकेटकीपिंग का कौशल भी सीखना चाहता हूं। इस क्रिकेटर के आदर्श हालांकि ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर बल्लेबा एडम गिलक्रिस्ट हैं जिनके वीडियो वह आम तौर पर देखते रहते हैं। उन्होंने कहा कि मेरे पसंदीदा क्रिकेट गिलक्रिस्ट हैं। मैंने उनके वीडियो देखकर बहुत कुछ सीखा है। खेल की उनकी समझ और हर हालात में आत्मविश्वास बनाए रखना काबिले तारीफ है। मैं अवसर मिलने पर उनसे जरुर मिलना चाहूंगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बसंत पंचमी हिन्दुओं का एक प्रमुख त्यौहार है। माघ महीने की शुक्ल पंचमी से बसंत ऋतु का आरंभ होता है। बसंत का उत्सव प्रकृति का उत्सव है। सतत सुंदर लगने वाली प्रकृति बसंत ऋतु में सोलह कलाओं से खिल उठती है। बसंत को ऋतुओं का राजा कहा गया है क्योंकि इस समय पंच-तत्व अपना प्रकोप छोड़कर सुहावने रूप में प्रकट होते हैं। बसंत ऋतु आते ही आकाश एकदम स्वच्छ हो जाता है, अग्नि रुचिकर तो जल पीयूष के सामान सुखदाता और धरती उसका तो कहना ही क्या वह तो मानों साकार सौंदर्य का दर्शन कराने वाली प्रतीत होती है। ठंड से ठिठुरे विहंग अब उड़ने का बहाना ढूंढते हैं तो किसान लहलहाती जौ की बालियों और सरसों के फूलों को देखकर नहीं अघाता। इस ऋतु के आते ही हवा अपना रुख बदल देती है जो सुख की अनुभूति कराती है।

वसंत पंचमी

सरस्वती आराधना का पर्व

पीले रंगों का पर्व
वसंत पंचमी

वसंत पंचमी के पर्व पर वैसे भी चटख पीला रंग उत्साह और विवेक का प्रतीक माना जाता है। इसके साथ सफेद रंग से जुड़ी शांति भी शामिल हो जाती है। इस दिन खास तौर पर कई घरों में रंगोली सजाई जाती है।

कुछ लोगों के यहां केसर वाले पीले रंग के मीठे चावल खास इसी दिन बनाएं जाते है। कई परिवारों में आज भी वसंत पंचमी के दिन एक-दूसरे के घरों में मीठे चावल और केले भेंट किए जाते हैं। कई परिवारों द्वारा मंदिरों में हलवा और मिठाई दान करने की परंपरा है। वसंत ऋतु के साथ होली के आगमन की दस्तक और सरस्वती पूजा का यह पर्व पुराने समय से ही युवाओं के लिए उत्साह वाला रहा है। ग्रामीण इलाकों में अपने खेतों में गेहूं, मटर, चना और दूसरी तरह की लहलहाती हरी-भरी फसलों को देखकर किसानों के मन प्रफुल्लित हो जाते हैं। खेतों में दूर-दूर तक धानी-सरसों के फूलों की पीली चादर बरबस मन को मोह लेती है। कोहरे और ओस से भीगी मिट्टी और रंगबिरंगे फूलों की मिली-जुली भीनी खुशबू अपनी ओर खींचती है।

ऐसे समय में हर किसी का मन बिना मचलें नहीं रह सकता। ऐसा नजारा देखकर किसी भी कवि मन से श्रृंगार रस की एक से एक मनभावन कविताएं फूट पड़ना आम बात है। इस दिन हजारों युवा विवाह के बंधन में बंध जाएंगे। पंचांग के अनुसार हिंदू धर्म में नवंबर के बाद शादियों पर प्रतिबंध लग जाता है। पर वसंत पंचमी के दिन से शादियां फिर से शुरू हो जाती हैं

बसंत और बसंत पंचमी का महत्व

बसंत ऋतुओं का राजा माना जाता है। यह पर्व बसंत ऋतु के आगमन का सूचक है। इस अवसर पर प्रकृति के सौंदर्य में अनुपम छटा का दर्शन होता है। वृक्षों के पुराने पत्ते झड़ जाते हैं और बसंत में उनमें नयी कोपलें आने लगती हैं, तथा खेती में भी सरसों की स्वर्णमयी कांति अपनी छटा बिखेरती है। मा घ महीने की शुक्ल पंचमी को बसंत पंचमी होती है तथा इसी दिन से बसंत ऋतु आरंभ होती है। बसंत का उत्सव प्रकृति का उत्सव है। सतत सुंदर लगने वाली प्रकृति बसंत ऋतु में सोलह कलाओं से खिल उठती है। यौवन हमारे जीवन का बसंत है तो बसंत इस सृष्टि का यौवन है। महर्षि वाल्मीकि ने भी रामायण में बसंत का अति सुंदर व मनोहारी चित्रण प्रस्तुत किया है। भगवान श्री कृष्ण ने भी गीता में 'ऋतूनां कुसुमाकरः' कहकर ऋतुराज बसंत को अपनी विभूति माना है। कविवर जयदेव तो बसंत का वर्णन करते थकते नहीं है। बसंत ऋतु कामोद्दीपक होता है। इसके प्रमुख देवता काम तथा रति है। अतएव काम देव तथा रति की प्रधानतया पूजा करनी चाहिये। हमारे तंत्र शास्त्रों में भी ऋतु का बहुत महत्व है। तंत्र शास्त्रों के अनुसार वशीकरण एवं आकर्षण से संबंधित प्रयोग एवं हवन आदि यदि बसंत ऋतु में किये जाये तो वह बहुत ही प्रभावी, शुभ एवं फलदायी रहते हैं। हमारे शास्त्रों एवं पुराणों कथाओं के अनुसार बसंत पंचमी और सरस्वती पूजा को लेकर एक बहुत ही रोचक कथा है, कथा कुछ इस प्रकार है। जब भगवान विष्णु की आज्ञा से प्रजापति ब्रह्माजी सृष्टि की रचना करके जब उस संसार में देखते हैं तो उन्हें चारों ओर सुनसान निर्जन ही दिखाई देता था। उदासी से सारा वातावरण मूक सा हो गया था। जैसे किसी के वाणी न हो। यह देखकर ब्रह्माजी ने उदासी तथा मलीनता को दूर करने के लिए अपने कमंडल से जल लेकर छिड़का। उन जलकणों के पड़ते ही वृक्षों से एक शक्ति उत्पन्न हुई जो दोनों हाथों से वीणा बजा रही थी तथा दो हाथों में क्रमशः पुस्तक तथा माला धारण किये थीं। ब्रह्माजी ने उस देवी से वीणा बजाकर संसार की मूकता तथा उदासी दूर करने के लिए कहा। तब उस देवी ने वीणा के मधुर-नाद से सब जीवों को वाणी दान की, इसलिये उस देवी को सरस्वती कहा गया। यह देवी विद्या, बुद्धि को देने वाली है। इसलिये बसंत पंचमी के दिन हर घर में सरस्वती की पूजा भी की जाती है। इस दिन विशेष रूप से लोगों को अपने घर में सरस्वती यंत्र स्थापित करना चाहिये, तथा मां सरस्वती के इस विशेष मंत्र का 108 बार जप करना चाहिये। मंत्र - 'ऊँ ऐं महासरस्वत्यै नमः'।

श्रद्धा व उल्लास का पर्व

भारतीय धर्म में हर तीज-त्योहार के साथ दिलचस्प परंपराएं जुड़ी हुई हैं। इसीलिए प्रत्येक पर्व-त्योहार के मद्देनजर गांवों-शहरों का स्वरूप कुछ बदल-सा जाता है और सभी समुदाय के लोग तरह-तरह की परंपराएं निभाते हुए हर त्योहार का मनपूर्वक मनाते हैं।

यह तिथि देवी सरस्वती का प्राकट्य दिवस होने से इस दिन सरस्वती जयंती, श्रीपंचमी आदि पर्व भी होते हैं। वैसे सायन कुंभ में सूर्य आने पर वसंत शुरू होता है। इस दिन से वसंत राग, वसंत के प्यार भरे गीत, राग-रागिनियां गाने की शुरुआत होती है। इस दिन सात रागों में से पंचम स्वर (वसंत राग) में गायन, कामदेव, उनकी पत्नी रति और वसंत की पूजा की जाती है। खास तौर पर बिहार, पश्चिम बंगाल और पूर्वांचल के लोग भी इस पर्व को खासे उत्साह के साख मनाते है। इस विशेष उत्साह के साथ सरस्वती पूजा की तैयारियां भी की जाती है। इस दिन सैंकड़ों स्थानों पर सामूहिक आयोजन किया जाता है। माता सरस्वती की पूजा में मूर्तियों के साथ पलाश की लकड़ियों, पत्तों और फूलों आदि का उपयोग किया जाता है। विधि-विधान के साथ पूजन, पुष्पांजलि और आरती के साथ पूजा संपन्न होती है।

रातभर भक्ति संगीत के साथ अगले दिन सरस्वती की मूर्तियों को नदी में विसर्जन किया जाता है। इस पूरे दिन खुले आसमान में पंतगबाजी और एक-दूसरे के साथ चुहलबाजी करने में दिन व्यतीत हो जाता है। वासंती रंग की मिठाइयों के साथ दूसरी और भी कई तरह की खाने-पीने की चीजों की भरमार होती है।

कैसे करें पूजन

माघ महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी से ऋतुओं के राजा वसंत का आरंभ हो जाता है। यह दिन नवीन ऋतु के आगमन का सूचक है। इसीलिए इसे ऋतुराज वसंत के आगमन का प्रथम दिन माना जाता है। साथ ही यह मां सरस्वती की जयंती का दिन है। इस दिन से प्रकृति के सौंदर्य में निखार दिखने लगता है। वृक्षों के पुराने पत्ते झड़ जाते हैं और उनमें नए-नए गुलाबी रंग के पल्लव मन को मुग्ध करते हैं। इस दिन को बुद्धि, ज्ञान और कला की देवी मां सरस्वती की पूजा-आराधना के रूप में मनाया जाता है।

वसंत पंचमी का पूजन कैसे कर -

- वसंत पंचमी में प्रातः उठ कर बेसनयुक्त तेल का शरीर पर उबटन करके स्नान करना चाहिए। इसके बाद स्वच्छ पीतांबर या पीले वस्त्र धारण कर मां सरस्वती के पूजन की तैयारी करना चाहिए।
- माघ शुक्ल पूर्वविद्धा पंचमी को उत्तम वेदी पर वस्त्र बिछाकर अक्षत (चावल) से अष्टदल कमल बनाएं।
- उसके अग्रभाग में गणेशजी स्थापित करें।
- पृष्ठभाग में वसंत स्थापित करें। वसंत, जौ व गेहूं की बाली के पुंज को जल से भरे कलश में डंठल सहित रखकर बनाया जाता है।
- इसके पश्चात सर्वप्रथम गणेशजी का पूजन करें और फिर पृष्ठभाग में स्थापित वसंत पुंज के द्वारा रति और कामदेव का पूजन करें। इसके लिए पुंज पर अबीर आदि के पुष्पों माध्यम से छींटे लगाकर वसंत सदृश बनाएं।
- तत्पश्चात

शुभा रतिः प्रकर्तव्या वसन्तोज्ज्वलभूषणा ।
नृत्यमाना शुभा देवी समस्ताभरणैर्युता ॥
वीणावादनशीला च मदकर्पूरचर्चिता।
श्लोक से रति का और कामदेव व रति
कामदेवस्तु कर्तव्यो रूपेणाप्रतिमो भुवि।
अष्टबाहुः स कर्तव्यः शंखपद्माविभूषणः॥
चापबाणकरश्चैव मदाद्यितलोचनः।
रतिः प्रतिस्तथा शक्तिर्मदशक्ति-स्तथोज्ज्वला॥
चतस्त्रस्तस्य कर्तव्याः पत्न्यो रूपमनोहराः।
चत्वाश्च करास्तस्य कार्या भार्यास्तनोपगाः॥
केतुश्च मकरः कार्यः पंचबाणमुखो महान।

इस प्रकार से कामदेव का ध्यान करके विविध प्रकार के फल, पुष्प और पत्रादि समर्पण करें तो गृहस्थ जीवन सुखमय होकर प्रत्येक कार्य को करने के लिए उत्साह प्राप्त होता है।

- सामान्य हवन करने के बाद केशर या हल्दी मिश्रित हलवे की आहुतियां दें।
- वसंत-पंचमी के दिन किसान लोग नए अन्न में गुड़ तथा घी मिश्रित करके अग्नि तथा पितृ-तर्पण करें। साथ ही केशरयुक्त मीठे चावल अवश्य घर में बनाकर उनका सेवन करना चाहिए।
- इस दिन विष्णु-पूजन का भी महात्म्य है।
- वसंत पंचमी के दिन विद्या की देवी सरस्वती के पूजन का भी विधान है। कलश की स्थापना करके गणेश, सूर्य, विष्णु तथा महादेव की पूजा करने के बाद वीणावादिनी मां सरस्वती का पूजन करना चाहिए।

बसंत ऋतु का आगमन बसंत पंचमी पर्व से होता है। शांत, ठंडी, मंद वायु, कटु शीत का स्थान ले लेती है तथा सब को नवप्राण व उत्साह से स्पर्श करती है। पत्रपटल तथा पुष्प खिल उठते हैं। स्त्रियाँ पीले- वस्त्र पहन, बसंत पंचमी के इस दिन के सौन्दर्य को और भी अधिक बढ़ा देती हैं। लोकप्रिय खेल पतंगबाजी, बसंत पंचमी से ही जुड़ा है। यह विद्यार्थियों का भी दिन है, इस दिन विद्या की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती की पूजा आराधना भी की जाती है।

बसंत का अर्थ

बसंत ऋतु तथा पंचमी का अर्थ है- शुक्लपक्ष का पाँचवां दिन अंग्रेजी कलेंडर के अनुसार यह पर्व जनवरी-फ़रवरी तथा हिंदू तिथि के अनुसार माघ के महीने में मनाया जाता है।

बसंत को ऋतुओं का राजा अर्थात सर्वश्रेष्ठ ऋतु माना गया है। इस समय पंच-तत्त्व अपना प्रकोप छोड़कर सुहावने रूप में प्रकट होते हैं। पंच-तत्त्व- जल, वायु, धरती, आकाश और अग्नि सभी अपना मोहक रूप दिखाते हैं। आकाश स्वच्छ है, वायु सुहावनी है, अग्नि (सूर्य) रुचिकर है तो जल पीयूष के समान सुखदाता और धरती उसका तो कहना ही क्या वह तो मानों साकार सौंदर्य का दर्शन कराने वाली प्रतीत होती है। ठंड से ठिठुरे विहंग अब उड़ने का बहाना ढूंढते हैं तो किसान लहलहाती जौ की बालियों और सरसों के फूलों को देखकर नहीं अघाता। धनी जहाँ प्रकृति के नव-सौंदर्य को देखने की लालसा प्रकट करने लगते हैं तो निर्धन शिशिर की प्रताड़ना से मुक्त होने के सुख की अनुभूति करने लगते हैं। सच! प्रकृति तो मानों उन्मादी हो जाती है। हो भी क्यों ना! पुनर्जन्म जो हो जाता है। श्रावण की पनपी हरियाली शरद के बाद हेमन्त और शिशिर में वृद्धा के समान हो जाती है, तब बसंत सौन्दर्य लौटा देता है। नवगात, नवपल्लव, नवकुसुम के साथ नवगंध का उपहार देकर विलक्षणा बना देता है।

सरस्वती पूजन एवं ज्ञान का महापर्व

ब्राह्मण-ग्रंथों के अनुसार वाग्देवी सरस्वती ब्रह्मस्वरूपा, कामधेनु तथा समस्त देवों की प्रतिनिधि हैं। ये ही विद्या, बुद्धि और ज्ञान की देवी हैं। अमित तेजस्वनी व अनंत गुणशालिनी देवी सरस्वती की पूजा-आराधना के लिए माघमास की पंचमी तिथि निर्धारित की गयी है। बसंत पंचमी को इनका आविर्भाव दिवस माना जाता है। अतः वागीश्वरी जयंती व श्रीपंचमी नाम से भी यह तिथि प्रसिद्ध है। माँ सरस्वती विद्या व ज्ञान की अधिष्ठात्री हैं। कहते हैं। जिनकी जिव्हा पर सरस्वती देवी का वास होता है, वे अत्यंत ही विद्वान व कुशाग्र बुद्धि होते हैं। बहुत लोग अपना ईष्ट माँ सरस्वती को मानकर उनकी पूजा-आराधना करते हैं। जिन पर सरस्वती की कृपा होती है, वे ज्ञानी और विद्या के धनी होते हैं। बसंत पंचमी का दिन सरस्वती जी की साधना को ही अर्पित है। शास्त्रों में भगवती सरस्वती की आराधना व्यक्तिगत रूप में करने का विधान है, किंतु आजकल सार्वजनिक पूजा-पाण्डालों में देवी सरस्वती की मूर्ति स्थापित कर पूजा करने का विधान चल निकला है। यह ज्ञान का त्योहार है, फलतः इस दिन प्रायः शिक्षण संस्थानों व विद्यालयों में अवकाश होता है। विद्यार्थी पूजा स्थान को सजाने-संवारने का प्रबन्ध करते हैं। महोत्सव के कुछ सप्ताह पूर्व ही, विद्यालय विभिन्न प्रकार के वार्षिक समारोह मनाना प्रारंभ कर देते हैं। संगीत, वाद-विवाद, खेल- कूद प्रतियोगिताएँ एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। बसंत पंचमी के दिन ही विजेयताओं को पुरस्कार बांटे जाते हैं। माता-पिता तथा समुदाय के अन्य लोग भी बच्चों को उत्साहित करने इन समारोहों में आते हैं। समारोह का आरम्भ और समापन सरस्वती वन्दना से होता है। प्रार्थना के भाव हैं- ओ माँ सरस्वती ! मेरे मस्तिष्क से अंधेरे (अज्ञान) को हटा दो तथा मुझे शाश्वत ज्ञान का आशीर्वाद दो!

प्रेरणादायी हैं मां सरस्वती का स्वरूप

वसंत पंचमी हिन्दू पंचांग के अनुसार माघ शुक्ल की पांच तारीख को मनाई जाती है। देवी भागवत में उल्लेख है कि माघ शुक्ल पक्ष की पंचमी को ही संगीत, काव्य, कला, शिल्प, रस, छंद, शब्द व शक्ति की प्राप्ति जीव को हुई थी। सरस्वती को प्रकृति की देवी की उपाधि भी प्राप्त है।

पद्मपुराण में मां सरस्वती का रूप प्रेरणादायी है। शुभ्रवस्त्र धारण किए हैं और उनके चार हाथ हैं जिनमें वीणा, पुस्तकमाला और अक्षरमाला है। उनका वाहन हंस है।

शुभवस्त्र मानव को प्रेरणा देते हैं कि अपने भीतर सत्य, अहिंसा, क्षमा, सहनशीलता, करुणा, प्रेम व परोपकार आदि सद्गुणों को बढ़ाएं और क्रोध, मोह, लोभ, मद, अहंकार आदि का परित्याग करें।

दो हाथों में वीणा ललित कला में प्रवीण होने की प्रेरणा देती है।

जिस प्रकार वीणा के सभी तारों में सामंजस्य होने से मधुर संगीत निकलता है वैसे ही मनुष्य अपने जीवन में मन व बुद्धि का सही तालमेल रखे।

सरस्वती का वाहन हंस विवेक का परिचायक है।

घरों में बसंत महोत्सव

पूजा कक्ष को अच्छी तरह साफ किया जाता है, तथा सरस्वती देवी की प्रतिमा को पीले फूलों से सजे लकड़ी के मंडप पर रखा जाता है। मूर्ति को भी पीत पुष्पों से सजाया जाता है। एवं पीत परिधान पहनाये जाते हैं। पीला रंग हिन्दुओं का शुभ रंग है। इसी प्रतिमा के निकट गणेश का चित्र या प्रतिमा भी स्थापित की जाती है। परिवार के सभी सदस्य तथा पूजा में सम्मिलित होने वाले सभी व्यक्ति भी पीले वस्त्र धारण करते हैं। बच्चे वयस्क देवी को प्रणाम करते हैं। बेर व संगरी प्रसाद की मुख्य वस्तुएँ हैं तथा इन्हीं के साथ पीली बर्फी या बेसन लड्डू भी रखे जाते हैं। प्रसाद की थाली में नारियल व पान के पत्र भी रखे जाते हैं। बसंत पंचमी, बसंत ऋतु के प्रादुर्भाव की भी तिथि है। अर्थात इसी दिन ऋतुराज बसंत का पृथ्वी पर प्रादुर्भाव हुआ था। साथ ही इसी दिन काम के देवता अनंग का भी आविर्भाव हुआ था। यानी कि इस दिन सम्पूर्ण प्रकृति में एक मादक उल्लास व आनन्द की सृष्टि हुई थी। वह मादक उल्लास व आनन्द की अनुभूति अब भी ज्यों की त्यों है, और बसंत पंचमी के दिन यह फूट पड़ती है। पीला रंग परिपक्वता का प्रतीक है।

बसंतोत्सव और पीला रंग

यह रंग हिन्दुओं का शुभ रंग है। बसंत पंचमी पर न केवल पीले रंग के वस्त्र पहने जाते हैं, अपितु खाद्य पदार्थों में भी पीले चावल पीले लड्डू व केसर युक्त खीर का उपयोग किया जाता है, जिसे बच्चे तथा बड़े-बूढ़े सभी पसंद करते है। अतः इस दिन सब कुछ पीला दिखाई देता है और प्रकृति खेतों को पीले-सुनहरे रंग से सजा देती है, तो दूसरी ओर घर-घर में लोग के परिधान भी पीले दृष्टिगोचर होते हैं। नवयुवक-युवती एक -दूसरे के माथे पर चंदन या हल्दी का तिलक लगाकर पूजा समारोह आरम्भ करते हैं। तब सभी लोग अपने दाएं हाथ की तीसरी उंगली में हल्दी, चंदन व रोली के मिश्रण को माँ सरस्वती के चरणों एवं मस्तक पर लगाते हैं, और जलार्पण करते हैं। धान व फलों को मूर्तियों पर बरसाया जाता है। गृहलक्ष्मी फिर को बेर, संगरी, लड्डू इत्यादि बांटती है। प्रायः बसंत पंचमी के दिन पूजा समारोह विधिवत नहीं होते हैं, क्योंकि लोग प्रायः घर से बाहर के कार्यों में व्यस्त रहते हैं। हाँ, मंदिर जाना व सगे-संबंधियों से भेंट कर आशीर्वाद लेना तो इस दिन आवश्यक ही है।

बसंतोत्सव और मनोरंजन

बच्चे व किशोर बसंत पंचमी का बड़ी उत्सुकता से इंतजार करते हैं। आखिर, उन्हें पतंग जो उड़ानी है। वे सभी घर की छतों या खुले स्थानों पर एकत्रित होते हैं, और तब शुरू होती है, पतंगबाजी की जंग। कोशिश होती है, प्रतिस्पर्धी की डोर को काटने की। जब पतंग कटती है, तो उसे पकड़ने की होड़ मचती है। इस भागम-भाग में सारा माहौल उत्साहित हो उठता है।

मथुरा का मेला

मार्ग शुक्ल 5 को बसंत पंचमी के दिन मथुरा में दुर्वासा ऋषि के मन्दिर पर मेला लगता है। सभी मन्दिरों में उत्सव एवं भगवान के विशेष श्रृंगार होते हैं। वृन्दावन के श्रीबांके बिहारीजी मन्दिर में बसंती कक्ष खुलता है। शाह जी के मंदिर का बसंती कमरा प्रसिद्ध है। यहाँ दर्शन को भरी-भीड़ उमड़ती है। मन्दिरों में बसंती भोग रखे जाते हैं और बसंत के राग गाये जाते हैं बसंत पंचमी से ही होली गाना शुरू हो जाता है। ब्रज का यह परम्परागत उत्सव है। इस दिन सरस्वती पूजा भी होती है। ब्रजवासी बंसती वस्त्र पहनते हैं।

बसंतोत्सव पर प्रसाद और भोजन

बसंत पंचमी के दिन वाग्देवी सरस्वती जी को पीला भोग लगाया जाता है और घरों में भोजन भी पीला ही बनाया जाता है। इस दिन विशेषकर मीठा चावल बनाया जाता है। जिसमें बादाम, किसमिस, काजू आदि डालकर खीर आदि विशेष व्यंजन बनाये जाते हैं। इसे दोपहर में परोसा जाता है। घर के सदस्यों व आगंतुकों में पीली बर्फी बांटी जाती है। केसरयुक्त खीर सभी को प्रिय लगती है। गायन आदि के विशेष कार्यक्रमों से इस त्यौहार का आनन्द और व्यापक हो जाता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इस्तांबुल में चुनावी सभा के दौरान हमलावरों ने की गोलीबारी, एक घायल

इस्तांबुल। तुर्किये के इस्तांबुल शहर के आगामी नगर निकाय चुनाव के लिए प्रचार अभियान के दौरान हमलावरों ने एक कार्यक्रम में गोलीबारी की जिसमें एक व्यक्ति घायल हुआ है। तुर्किये की अर्द्धसरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू ने यह जानकारी दी। अनाडोलू की खबर के मुताबिक शनिवार को यह हमला तब हुआ जब जस्टिस एंड डेवलपमेंट पार्टी या एकेपी के इस्तांबुल के कुकुकसेकेमेस जिले से महापौर उम्मीदवार अजीज येनिया एक महासंघ का दौरा कर रहे थे। खबर के मुताबिक 32 वर्षीय एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई और हमलावर एक वाहन में सवार होकर भाग गए। पुलिस ने कहा कि वे सुरक्षा कैमरे के फुटेज की जांच कर रहे हैं और उन्हें घटनास्थल पर कारतूस के 17 खोखे मिले हैं। तुर्किये में 31 मार्च को महापौर का चुनाव होगा।

चुनाव आयोग ने किया ऐलान, पाकिस्तान में फिर होंगे कई सीटों पर चुनाव

इस्लामाबाद । पाक चुनाव आयोग ने फिर से कई सीटों पर चुनाव कराने का ऐलान किया है। पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने मतदान सामग्री छीनने और उसे नुकसान पहुंचाने की शिकायतों की जांच के बाद देश भर में कई मतदान केंद्रों पर फिर से चुनाव कराने के आदेश दिए है। आयोग ने 15 फरवरी को कई मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान निर्धारित किया है। बता दें कि पाकिस्तान में तीन दिन से चल रही वोटों की गिनती अभी तक पूरी नहीं हो पाई है। अभी तक आए नतीजों में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला है। इस बीच पाक चुनाव आयोग ने फिर से कई सीटों पर चुनाव कराने का एलान किया है। दरअसल, आयोग ने विभिन्न मतदान केंद्रों पर मतदान सामग्री छीनने और क्षतिग्रस्त करने की घटनाओं के संबंध में देश के विभिन्न हिस्सों से शिकायतों का जवाब दिया, जिससे स्थानीय चुनाव अधिकारियों को मतदान प्रक्रियाओं को स्थगित करने के लिए मजबूर होना पड़ा। हालिया घटनाक्रम में चुनाव आयोग ने 15 फरवरी को कई मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान निर्धारित किया है। इन मतदान केंद्रों के नतीजे पुनर्मतदान कार्यक्रम के पूरा होने पर घोषित किए जाएंगे। पाकिस्तान चुनाव आयोग ने उन मतदान केंद्रों की सूची जारी की है जहां दौबारा मतदान का आदेश दिया गया है। ईसीपी ने खैबर पख्तूनख्वा के 25 मतदान केंद्रों पर चुनाव के दिन आतंकवादियों द्वारा मतदान सामग्री को पहुंचाए गए नुकसान के कारण पुनर्मतदान कराने का फैसला किया है। इस बीच, चुनाव आयोग ने क्षेत्रीय चुनाव आयुक्त को एनए-242 कराची केमारी, सिंध में एक मतदान केंद्र पर बर्बरता की शिकायतों के संबंध में तीन दिनों के भीतर जांच रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। इससे पहले कई पार्टियों ने देरी के बाद परिणामों की विश्वसनीयता के बारे में चिंता जाहिर की है।

गलती से मां ने बच्चे को 'ओवन' में रखा, हो गई मौत

वाशिंगटन । अमेरिका के मिजूरी में एक मां ने गलती से अपने बच्चे को ओवन में रख छोड़ा, बाद में उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि अपने शिशु को सुलाने के लिए उसे पालने के बजाय गलती से 'ओवन' में रख दिया जिसके कारण उसकी मौत हो गई। एक अभियोजक ने शनिवार को यह जानकारी दी। कंसास सिटी की मारियाह थॉमस पर अपने बच्चे को खतरे में डालने के आरोप लगाए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार पुलिस को शुक्रवार दोपहर को एक शिशु के सांस नहीं लेने की जानकारी मिली थी। इस घटना के संभावित कारण संबंधी अदालती बयान में कहा गया है कि बच्चे के शरीर पर जलने के निशान थे और उसे मृत घोषित कर दिया गया। हालांकि बयान में यह नहीं बताया गया कि इस प्रकार की गलती कैसे हुई। जैक्सन काउंटी में अभियोजन पक्ष के वकील जीन पीटर्स बेकर ने एक बयान में कहा कि यह अत्यंत त्रासदीपूर्ण घटना हैं और हम एक अनमोल जीवन के खोने से दुखी हैं। हमें भरोसा है कि आपराधिक न्याय प्रणाली इस भयानक घटना को लेकर उचित कार्रवाई जरूर करेगी।

गाजा सिटी में संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के मुख्यालय के नीचे मिलीं सुरंग

येरुसलम । गाजा सिटी में संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के मुख्यालय के नीचे सुरंग मिलने के समाचार आए हैं। इजराइल की सेना ने कहा है कि उसने गाजा सिटी में संयुक्त राष्ट्र फलस्तीनी शरणार्थी एजेंसी के मुख्यालय के नीचे सुरंगें खोजी हैं, जिनका इस्तेमाल हमास के आतंकवादी बिजली आपूर्ति कक्ष के रूप में कर रहे थे। इजराइली सेना के लेफ्टिनेंट कर्नल इडो ने कहा कि यह बिजली कक्ष है, आप चारों ओर बैटरियां और दीवारों पर बिजली उपकरण देख सकते हैं, सब कुछ इन्हीं से संचालित होता है। इन सुरंगों से उन्हें बिजली आपूर्ति होती है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र राहत कार्य एजेंसी की संचार निदेशक जूलियट टौमा ने कहा कि एजेंसी इस बात से अनभिज्ञ थी कि मुख्यालय की इमारत के नीचे क्या है। टौमा ने कहा कि उन्होंने कई बार मुख्यालय का दौरा किया था और विद्युत कक्ष के बारे में पता नहीं चला था। अपने एक बयान में, टौमा ने कहा कि यूएनडब्ल्यूआरए ने सितंबर में सुविधा का नियमित त्रैमासिक निरीक्षण किया था। उन्होंने कहा ?कि यूएनआरडब्ल्यूए एक मानव विकास और मानवतावादी संगठन है जिसके पास न तो सैन्य और सुरक्षा विशेषज्ञता है, न ही इसके परिसर के अंतर्गत क्या है या क्या हो सकता है, इसका सैन्य निरीक्षण करने की उनके पास क्षमता है।

पेरू में भारी बारिश के कारण आपातकाल घोषित

लीमा । पेरू सरकार ने हाल के हफ्तों में भारी बारिश से हुए नुकसान के कारण देश के 15 क्षेत्रों के कम से कम 96 जिलों में श?निवार से आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी। सरकार का यह निर्णय 60 दिनों तक लागू रहेगा। यह निर्णय उचित प्रतिक्रिया और पुनर्वास के लिए तत्काल और आवश्यक आपातकालीन उपायों और कार्यों के निष्पादन की अनुमति देता है। प्राकृतिक आपदाओं के दौरान भोजन दान और दान के परिवहन की सुविधा प्रदान करने वाला एक कानून सक्रिय किया गया है। इसी तरह कुछ सेवाएं नि:शुल्क प्रदान की जा सकती हैं, जैसे कि खानपान, चिकित्सा उपचार, परिवहन, प्रेषण रसद और कोई अन्य सेवा जो बारिश से प्रभावित लोगों की मदद कर सकती है। राष्ट्रीय मौसम विज्ञान और जल विज्ञान सेवा ने पहाड़ों में 11 से 13 फरवरी तक मध्यम से भारी वर्षा और उत्तरी तट पर मध्यम से अत्यधिक वर्षा का अनुमान व्यक्त किया है।

सीरियाई शरणार्थियों को वापस भेजने का काम करेगा शुरू लेबनान

बेरूत। लेबनान के विस्थापित मंत्री इस्साम चराफेडीन ने कहा कि लेबनान जल्द ही सीरियाई शरणार्थियों को उनकी मातृभूमि में लौटाना फिर से शुरू करेगा। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बैठक के बाद कैबिनेट द्वारा जारी बयान के हवाले से बताया, 'चराफेडीन ने शनिवार को कहा कि लेबनान सरकार ने उन्हें सीरिया शरणार्थियों को वापस भेजने का काम सौंपा है।' मंत्री ने कहा, 'हमने संबंधित पक्षों, विशेषकर सीरिया में नए स्थानीय प्रशासन मंत्री के साथ सकारात्मक बैठकें कीं और वे इस मुद्दे पर प्रतिबद्ध हैं।' 2022 में, चराफेडीन ने हर महीने 15,000 सीरियाई शरणार्थियों को सीरिया वापस भेजने की एक सरकारी योजना की घोषणा की, जिसमें जोर देकर कहा गया कि युद्ध खत्म हो गया है और देश सुरक्षित हो गया है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी और यूरोपीय संसद के विरोध के बीच योजना को कभी भी पूरी तरह से लागू नहीं किया गया। वो मानते थे कि सीरिया में स्थिति वैसी नहीं है कि शरणार्थी वापसी कर सकें। लेबनान प्रति व्यक्ति शरणार्थियों की सबसे बड़ी संख्या की मेजबानी करने वाला देश बना हुआ है, सरकार का अनुमान है कि लगभग 20 लाख सीरियाई शरणार्थी हैं। लेबनानी अधिकारियों ने कई अवसरों पर सीरियाई शरणार्थियों को सीरिया लौटने के लिए कहा है क्योंकि लेबनान एक अभूतपूर्व वित्तीय संकट से पीड़ित है और अब उनकी उपस्थिति को सहन नहीं कर सकता है।

मिलान में विंटर ओलंपिक्स से पहले एक प्रदर्शनकारी बैनर लिए हुए जिसमें सवाल किया गया है कि बर्फ कहां है।

नवाज शरीफ और उनकी बेटी भी धांधली से जीते? अब मामला कोर्ट में

इस्लामाबाद । लाहौर की सीटों से हार का सामना करने वाली पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) समर्थित उम्मीदवार डॉ. यास्मीन राशिद ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि निर्वाचन आयोग ने फॉर्म 45 के बजाय फर्जी फॉर्म 47 के अनुसार उन्हें विजेता घोषित किया। फॉर्म 45 को आमतौर पर गणना का परिणाम फॉर्म कहा जाता है। यह पाकिस्तानी चुनावी प्रक्रिया में महत्वपूर्ण रिकॉर्ड होता है, जिसका उद्देश्य किसी विशेष मतदान केंद्र पर मतदान प्रक्रिया के नतीजों की पारदर्शिता और जवाबदेही को बनाए रखना है। ईसीपी ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के नेतृत्व वाली पीटीआई का चुनाव चिन्ह बल्ला रद्द कर दिया था, जिसके बाद बड़ी संख्या में पीटीआई के उम्मीदवारों ने निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ा था। शरीफ ने एनए-130 से पीटीआई की उम्मीदवार डॉ. यास्मीन राशिद के खिलाफ जीत हासिल की है। शरीफ को 1,72,000 से अधिक वोट मिले, जबकि राशिद को 113,000 से अधिक मत मिले। शरीफ की 50 वर्षीय बेटी मरियम नवाज ने एनए-119 सीट पर पीटीआई के फारूक शहजाद के खिलाफ 83,000 से अधिक वोट पाकर जीत हासिल की। शहजाद को 68,000 से अधिक वोट मिले। लाहौर हाई कोर्ट में याचिका दायर करने वालों में से एक यास्मीन ने कहा कि उन्होंने फॉर्म-45 के अनुसार शरीफ के खिलाफ जीत हासिल की थी। हालांकि, ईसीपी ने फॉर्म-47 जारी कर पीएमएल-एन प्रमुख को विजेता घोषित कर दिया। इसी तरह, शहजाद ने कहा कि मरियम मतदान केंद्र के नतीजों (फॉर्म-45) के अनुसार सीट हार गई थीं, लेकिन फर्जी फॉर्म-47 के जरिए उन्हें विजेता घोषित कर दिया गया।

विदेश मंत्री जयशंकर की गारंटी-भारत यूएनएससी का बनेगा स्थाई सदस्य

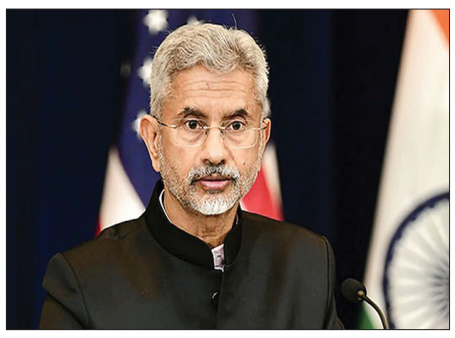

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि भारत को यूएनएससी की स्थायी सदस्यता मिलेगी, लेकिन यह आसान नहीं होगा क्योंकि कई देश हमें रोकना चाहते हैं। जयशंकर ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में दो दिवसीय 'हिंद महासागर सम्मेलन' में भाग लेते हुए ये बातें कही हैं। उन्होंने कहा कि जब वह विभिन्न देशों में जाते हैं तो उन्हें यह बदलाव नजर आता है कि अब दुनिया भारत को कितनी अलग नजर से देखती है। उन्होंने भारतीय समुदाय के साथ बातचीत के दौरान एक सवाल के उत्तर में कहा, हम वहां पहुंचेंगे। मुझे 100 फीसदी यकीन है कि हम वहां पहुंचेंगे लेकिन मैं आपको यह भी बताऊंगा कि ईमानदारी से कहूं तो हमें यह आसानी से हासिल नहीं होगा क्योंकि दुनिया प्रतिस्पर्धा से भरी है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की स्थायी सदस्यता के लिए दुनिया के कई देशों ने भारत की वकालत की है।

मंत्री ने पिछले साल दिसंबर में कहा था कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद एक पुराने 'क्लब' की तरह है जिसमें कुछ ऐसे सदस्य हैं जो अपनी पकड़ ढीली नहीं होने देना चाहते और नहीं चाहते कि उनकी कार्यप्रणाली पर सवाल उठे।भारत, सुरक्षा परिषद के विस्तार के लिए वर्षों से किये जा रहे प्रयासों में सबसे आगे रहा है और उसका कहना है कि वह सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य के रूप में जगह पाने का वास्तविक हकदार है, जो (यूएनएससी) अपने मौजूदा स्वरूप में 21वीं सदी की भू-राजनीतिक वास्तविकताओं का प्रतिनिधित्व नहीं करता।वर्तमान में, यूएनएससी के पांच स्थायी सदस्य हैं - चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका। स्थायी सदस्य के पास ही किसी भी प्रस्ताव पर 'वीटो' करने की शक्ति होती है।

जयशंकर ने किसी देश का नाम लिए बिना कहा, कुछ लोग हमें रोकने की कोशिश करेंगे, रास्ते में बाधाएं उत्पन्न करेंगे..लेकिन मुझे विश्वास है कि हम वहां पहुंचेंगे और मैं पांच साल पहले या 10 साल पहले की तुलना में आज इसके (स्थायी सदस्यता) लिए अधिक आश्वस्त हूं।''उन्होंने कहा, ''जब मैं दुनिया भर में जाता हूं, तो अक्सर लोगों से यह सुनता हूं कि देखिये, आप वे बातें कह सकते हैं जो हम नहीं कह सकते। हम यह कहने के लिए आप पर भरोसा करते हैं क्योंकि हमारी अपनी सीमाएं हैं।'' उन्होंने यह रेखांकित किया कि भारत ने कैसे एक ऐसा रुख अपनाया है जो उन सभी के लिए एक सामूहिक रुख है।

उन्होंने कहा कि ऐसे कई मुद्दे हैं जिनमें कइयों के हित शामिल हैं लेकिन वैश्विक परिचर्चा पर कुछ ही लोगों का वर्चस्व है।जयशंकर ने कहा, ''यह ऊर्जा संकट के बारे में हो सकता है, कई देशों में आज कर्ज की स्थिति है। यह संस्कृति और विरासत के बारे में हो सकता है क्योंकि कोई भी दूसरों की संस्कृति से अभिभूत नहीं होना चाहता। एक तरह से, आज भारत भरोसेमंद है और उसके बारे में अच्छी राय है। ऐसे बहुत से देश हैं जो हमें वहां (यूएनएससी के स्थायी सदस्य के रूप में) देखना चाहते हैं।''

अमेरिका और ब्रिटेन की बमबारी में एक दर्जन से अधिक हूती लड़ाकों की मौत

वॉशिंगटन। यमन की राजधानी सना में हुए अंतिम संस्कार के बाद यमनी विद्रोही समूह ने मीडिया के जरिए बताया कि संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्रिटिश हमलों में 17 हूती लड़ाकों की मौत हुई हैं। हूती आधिकारिक मीडिया ने बताया कि अमेरिकी-ब्रिटिश बमबारी के बाद शहीद हुए हूती लड़ाकों को सना में दफनाया गया। इसके अलावा हूती मीडिया ने ये भी बताया कि मरने वालों की सूची जल्द ही जारी की जाएगी। इस मौके पर हजारों की तादाद में यमनी लोग अंतिम संस्कार में शामिल हुए और फिलिस्तीन के समर्थन में, जबकि अमेरिका और इजराइल के विरोध में नारे लगाए। लाल सागर में जहाजों पर हूती हमलों को रोकने के लिए अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम जनवरी से ही हूती ठिकानों पर हमले कर रहे हैं। लेकिन अभी तक अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम को कोई खासा कामयाबी नहीं मिली है। हूती संगठन को ईरान का समर्थन प्राप्त है और वे यमन के होदेइदाह बंदरगाह सहित युद्धग्रस्त यमन के अधिकांश हिस्से को कंट्रोल करते हैं। बता दें कि गाजा में हो रहे इजराइल के हमलों के जवाब में हूति इजराइल से जुड़े जहाजों को निशाना बना रहे हैं। अमेरिकी सेना के मुताबिक उन्होंने हूति के कई मिसाइल लॉन्चरों को निशाना बनाया है, जिनका इस्तेमाल लाल सागर में जहाजो और अमेरिकी युद्धपोतों के खिलाफ लॉन्च करने के लिए किया जाना था। हमलों में मारे गए हूती लड़ाकों के अंतिम संस्कार के लिए शनिवार को सना की अल-शाब मस्जिद में बड़ी तादाद में फिलिस्तीनी समर्थक इकट्ठा हुए। अंतिम संस्कार में आने वाले लोगों में से एक अबू मोआताज़ गालिब ने बताया कि यहां आए हुए सभी लोग गाजा पर हूती के स्टैंड पर मजबूती से खड़े हैं।

भारी विरोध के बाद राष्ट्रपति को देना पड़ा इस्तीफा, फिर मानी अपनी गलती

बुडापेस्ट (एजेंसी)। नाबालिगों के यौन शोषण के मामले में आरोपी को हंगरी की राष्ट्रपति कैटलिन नोवाक ने माफ कर दिया था। इसके विरोध में पूरा देश एक जुट हुआ और प्रदर्शन शुरू हो गए। इसके बाद राष्ट्रपति ने अपनी गलती मानी और माफी मांगते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया। दरअसल, उन्होंने एक ऐसे शख्स को माफ कर दिया, जिसने 2022 में अपने बॉस द्वारा नाबालिगों के यौन शोषण की बात छिपाई थी। इसके बाद पूर देश में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया और कैटलिन नोवाक को राष्ट्रपति पद से इस्तीफा देना पड़ा।नोवाक ने शनिवार को कहा, राज्य के प्रमुख के रूप में, मैं आज आखिरी बार आपको संबोधित कर रही हूं। मैं राष्ट्रपति के कार्यालय से इस्तीफा दे रही हूं। जिन पीड़ितों को लगा होगा कि मैं उनके लिए खड़ी नहीं हो रही हूं। मैं बच्चों और परिवारों के साथ थी, हूं और हमेशा रहूंगी। उन्होंने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए जनता को अपना संदेश भी दिया। कैटलिन नोवाक कतर दौरे पर थीं, लेकिन विरोध बढ़ने के बाद वे तुरंत बुडापेस्ट लौटीं और हंगरी लौटते ही उन्होंने इस्तीफे का एलान कर दिया। राष्ट्रपति के इस्तीफे के तुरंत बाद हंगरी के कानून मंत्री जूडिथ वर्गा ने भी इस्तीफा दे दिया। जूडिथ ने ही दोषी की माफी को मंजूरी दी थी। हालांकि, विपक्ष अभी इस प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बेन के इस्तीफे की मांग पर भी अड़ा है।देश में सरकार के बढ़ते विरोध को शांत करने के लिए पीएम ओर्बेन ने हाल ही में कहा है कि वे संविधान में बाल यौन शोषण के दोषियों की सजा माफी के प्रावधान की फिर से समीक्षा कराएंगे। हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन ने गुरुवार को फेसबुक पर कहा कि उन्होंने नाबालिगों के खिलाफ किए गए अपराधों के अपराधियों को माफी देने से रोकने के लिए सरकार की ओर से एक संवैधानिक संशोधन प्रस्तुत किया है। ओर्बन ने कहा, पीडोफाइल के लिए कोई दया नहीं होगी। बता दें कि नोवाक ने अप्रैल 2023 में एक बाल गृह के पूर्व उप निदेशक एंड्रे के. को माफ कर दिया था। खबरों के मुताबिक, इस माफी के बारे में खुलासा किया गया, जिसके बाद शुक्रवार को बुडापेस्ट में उनके इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन हुआ। दरअसल, बीते साल अप्रैल में पोप फ्रांसिस ने बुडापेस्ट का दौरा किया था। उसी दौरान राष्ट्रपति रहते हुए कैटलिन नोवाक ने चिल्ड्रन होम के डिप्टी डायरेक्टर की सजा माफ कर दी थी।

रमजान से पहले इजरायल का खतरनाक प्लान, दहशत में लाखों की आबादी

तेलअवीव (एजेंसी)। हमास और इजरायल के बीच चल रही जंग अब और खतरनाक दौर में पहुंच गई है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के पहले की तुलना में अधिक खतरनाक हो चुके हैं। उनका मानना है कि अंतरराष्ट्रीय दबाव को देखते हुए इजरायल के पास राफा में अपने ऑपरेशन को पूरा करने के लिए केवल एक महीना बचा है। आपको बता दें कि राफा ऑफरेशन के जरिए इजरायल गाजा में शेष बचे हमास के ऑपरेटिव बटालियनों को खत्म करना चाहता है। अब उन्होंने इसके लिए समय तय कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने हाल ही में युद्ध में शामिल सैन्य अधिकारियों को आदेश देते हुए कहा कि गाजा के सबसे दक्षिणी शहर में जारी ऑपरेशन को मुस्लिमों के पवित्र महीना रमजान के पहले पूरा करना होगा। आपको बता दें कि इस साल 10 मार्च से रमजान शुरू होने वाला है।

राफा ऑपरेशन पर चर्चा के दौरान आईडीएफ चीफ ऑफ स्टाफ हर्जी हलेवी ने नेतन्याहू को बताया कि इजरायल रक्षा बल ऑपरेशन के लिए तैयार थे, लेकिन सरकार को पहले यह तय करने की आवश्यकता थी कि वह क्या करना चाहती है। विस्थापित गाजावासी वहां शरण लिए हुए हैं। इजरायल की ओर से किए गए हवाई हमलों में शुक्रवार देर रात गाजा पट्टी के राफा क्षेत्र में कम से कम 44 फलस्तीनी मारे गए। ये हमले इजरायल के प्रधानमंत्री के उस बयान के कुछ घंटों बाद किए गए, जिसमें उन्होंने जमीनी हमले से पहले दक्षिणी गाजा शहर से हजारों लोगों को निकालने के लिए सेना से योजना तैयार करने को कहा था। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि वहां रह रहे लोगों के लिए कोई योजना बनाए बिना राफा में जमीनी हमला करने से बड़ी जनहानि होगी।

यमनी नेता ने नागरिक संघर्ष के राजनीतिक समाधान पर संयुक्त राष्ट्र दूत से की मुलाकात

अदन (यमन) (एजेंसी)। यमन के राष्ट्रपति नेतृत्व परिषद के अध्यक्ष राशद अल-अलीमी ने लंबे समय से चल रहे नागरिक संघर्ष को समाप्त करने, देश की राजनीतिक प्रक्रिया को फिर से शुरू करने के प्रयासों पर चर्चा करने के लिए अदन में यमन के लिए संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत हंस ग्रुंडबर्ग से मुलाकात की।

सरकारी सबा न्यूज एजेंसी ने शनिवार को खबर दी, 'बैठक में यमन के नवनियुक्त प्रधानमंत्री अहमद अवद बिन मुबारक भी शामिल थे, इसमें ग्रुंडबर्ग की हालिया क्षेत्रीय वार्ता के नतीजे और सहयोगियों के साथ समन्वित प्रयासों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसका उद्देश्य यमन में युद्ध को समाप्त करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व वाली समावेशी राजनीतिक वार्ता को फिर से शुरू करना है।' अल-अलीमी ने शांति प्रयासों के प्रति गंभीर प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने के लिए होथी और उनके ईरानी समर्थकों की ओर से केवल शब्दों के बजाय ठोस कार्रवाइयों को प्राथमिकता देने वाले संयुक्त राष्ट्र मध्यस्थ

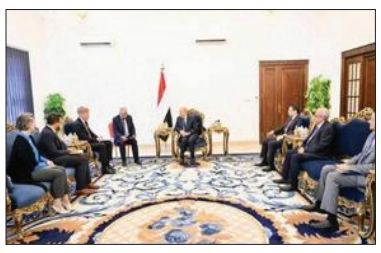

के महत्व पर प्रकाश डाला।

रिपोर्ट के अनुसार, 'इनमें ताइज पर हौथी घेराबंदी को समाप्त करना, फंड, माल और सिविल सेवकों के वेतन के प्रवाह में बाधाओं को दूर करना, सैन्य वृद्धि और नागरिक स्थलों पर हमलों को रोकना और पूरे यमन में मानवाधिकारों के उल्लंघन को रोकना शामिल है।' समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के हवाले से कहा गया है कि यमनी सरकार ने वैध शासकीय संस्थानों को बहाल करने के लिए अंतरराष्ट्रीय संकल्पों के तहत अपनी अनिवार्य जिम्मेदारियों को पूरा करने में संयुक्त राष्ट्र के दूत की सहायता के लिए सभी सुविधाएं प्रदान करने की तत्परता भी व्यक्त की। अल-अलीमी के साथ अपनी मुलाकात पर टिप्पणी करते हुए संयुक्त राष्ट्र दूत ने एक संक्षिप्त प्रेस बयान में कहा, 'उन्होंने व्यक्तिगत रूप से तनाव को कम करने, यमन में हिंसा की पुनरावृत्ति को रोकने और राष्ट्रव्यापी युद्धविराम की दिशा में प्रगति जारी रखने और संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में राजनीतिक प्रक्रिया को फिर से शुरू करने के तरीकों की खोज की।' यमन में रुकी हुई शांति वार्ता को फिर से शुरू करने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनाने के लिए ग्रुंडबर्ग क्षेत्रीय हितधारकों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ रहा है। ईरान समर्थित हौथी समूह द्वारा 2014 में राजधानी सना से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमनी सरकार को बाहर करने के बाद से यमन खूनी संघर्ष में फंस गया है, जबकि यमनी सरकार और हौथिस ने संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता में शांति वार्ता के कई दौर में भाग लिया है।

इमरान की पार्टी पीटीआई 101 सीटों पर जीत दर्ज कर सबसे आगे

-चुनाव आयोग ने जारी कर दिए अंतिम नतीजे

-कोई दल सरकार बनाने की स्थिति में नहीं

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान चुनाव के अंतिम परिणाम आज रविवार को आखिरकार जारी कर दिए गए हैं। इसके साथ ही चुनाव परिणाम को लेकर जारी असमंजस की स्थिति अब समाप्त हो गई है। पाकिस्तान चुनाव आयोग ने आधिकारिक रूप से घोषणा कर दिया है, जिसके बाद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों ने सबसे ज्यादा 101 सीटों पर जीत दर्ज की है। नवाज शरीफ की पार्टी ने 75 सीटों पर जीत दर्ज की हैं। इस तरह किसी भी दल को सरकार बनाने वाले जादुई आंकड़े वाले नतीजे हासिल नहीं हुए हैं।

पाकिस्तान में हुए आम चुनाव के बाद परिणामों को लेकर पिछले 4 दिनों से चल रही असमंजस की स्थित अब साफ हो गई। पाकिस्तान निर्वाचन आयोग ने रविवार को आम चुनाव के अंतिम परिणाम जारी कर दिए हैं। पाकिस्तान चुनाव आयोग की घोषणा के बाद किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत हासिल नहीं हुआ है। इससे मिली-जुली सरकार बनती नजर आ रही है। गौरतलब है कि इमरान की पार्टी पीटीआई के तमाम उम्मीदवारों ने निर्दलीय चुनाव लड़ा है। चुनाव आयोग की घोषणा अनुसार जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी द्वारा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों ने 101 सीट पर जीत दर्ज की है। इसके विपरीत पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) ने 75 सीटों पर जीत दर्ज की है। बिलावल जरदारी भुट्टो की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी को 54 सीटों पर जीत दर्ज की है। मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) को 17 सीटों पर जीत हासिल हुई हैं। इसके अलावा 12 सीटों पर छोटे दलों ने भी जीत दर्ज की है। पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) ने कुल 265 सीट में से 264 सीटों के परिणाम घोषित कर दिए हैं। चुनाव नतीजों में हो रही देरी के चलते कई दलों ने देश भर में हंगामा और विरोध-प्रदर्शन भी किया था। एक सीट का परिणाम रोक दिया गया है। दरअसल पंजाब प्रांत के खुशाब में एनए-88 सीट का परिणाम ईसीपी की शिकायतों के

कारण रोका गया है। शिकायत निवारण बाद इसकी घोषणा की जाएगी। एक सीट का चुनाव स्थगित भी किया गया था, क्योंकि यहां उम्मीदवार की मृत्यु हो गई थी। अंततः इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) द्वारा समर्थित 101 उम्मीदवारों जीते हैं, जबकि बहुमत का आंकड़ा 133 है, जो किसी पार्टी को हासिल नहीं है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत की 'वंदे भारत' ट्रेनें अब विदेशी पटरियों पर भी दौड़ेंगी

नई दिल्ली । जल्दी ही भारत की 'वंदे भारत' ट्रेन अब विदेश की पटरियों पर भी दौड़ने वाली हैं। सरकारी सूत्रों ने कहा कि है कि इन ट्रेनों के निर्यात की योजना पर काम हो रहा है। भारतीय रेलवे से 'वंदे भारत' के संबंध में चिली सहित अन्य कई देशों से जानकारी मांगी जा रही है। इस संबंध में रेल मंत्रालय सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की इकाइयों के साथ स्वदेशी डिजाइन और क्षमता के साथ ट्रेन के लिए अपनी कार्यशालाओं में कई प्रकार के कलपुर्जे के निर्माण के लिए क्षमता विकसित कर रहा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, हमारे देश में वंदे भारत को विकसित करना चुनौती थी। इंजीनियरों ने चुनौती को बहुत अच्छी तरह से लिया है। मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि आने वाले वर्षों में हम इस ट्रेन का निर्यात शुरू कर देंगे। उन्होंने बताया कि नई दिल्ली-मुंबई और नई दिल्ली-हावड़ा मार्गों पर ट्रेनों की गति 160 किलोमीटर प्रति घंटे तक बढ़ाने के प्रयासों के साथ वंदे भारत ट्रेनों की संख्या बढ़कर 82 हो गई है। रेल मंत्री वैष्णव ने कहा कि 31 जनवरी 2024 तक, देश भर में 82 वंदे भारत ट्रेन सेवाएं चालू हैं, जो राज्यों को ब्रॉड गेज (बीजी) विद्युतीकृत नेटवर्क से जोड़ती हैं। इसके अलावा, ट्रेन सेवाओं के ठहराव का प्रावधान और वंदे भारत सहित नई ट्रेन सेवाओं की शुरुआत, परिचालन व्यवहार्यता, यातायात औचित्य, संसाधन उपलब्धता आदि प्रक्रियाएं चल रही हैं।

सीएपीएफ में कांस्टेबलों की भर्ती परीक्षा पहली बार 13 क्षेत्रीय भाषाओं में भी होगी आयोजित

नई दिल्ली। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में कांस्टेबलों की भर्ती के लिए पहली बार कांस्टेबल (जनरल ड्यूटी) परीक्षा हिंदी और अंग्रेजी के अलावा 13 क्षेत्रीय भाषाओं में आयोजित होगी। यह परीक्षा देशभर के 128 शहरों में करीब 48 लाख उम्मीदवार के लिए 20 फरवरी से 7 मार्च तक आयोजित की जाएगी। गृह मंत्रालय के अनुसार कांस्टेबल (जीडी) परीक्षा के प्रश्न पत्र अब हिंदी और अंग्रेजी के अलावा 13 क्षेत्रीय भाषाओं में तैयार किया जाएगा। इसमें असमिया, बंगाली, गुजराती, मराठी, मलयालम, कन्नड़, तमिल, तेलुगु, ओडिया, उर्दू, पंजाबी, मणिपुरी और कोंकणी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि 01 जनवरी 2024 से सीएपीएफ में भर्ती के लिए कांस्टेबल (जीडी) परीक्षा हिंदी और अंग्रेजी के अलावा 13 क्षेत्रीय भाषाओं में आयोजित करने का फैसला किया था। कांस्टेबल (जीडी) चयन परीक्षा, कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) द्वारा आयोजित प्रमुख परीक्षाओं में से एक है जो देशभर से लाखों युवाओं को आकर्षित करती है। इसलिए गृह मंत्रालय और कर्मचारी चयन आयोग ने हिंदी और अंग्रेजी के अलावा 13 क्षेत्रीय भाषाओं में परीक्षा आयोजित करने की सुविधा के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। तदनुसार एसएससी ने कांस्टेबल (जीडी) परीक्षा 2024 को अंग्रेजी और हिंदी के अलावा 13 क्षेत्रीय भाषाओं में आयोजित करने के लिए अधिसूचना प्रकाशित की है। मंत्रालय का कहना है कि इस ऐतिहासिक निर्णय से देशभर के लाखों युवा अपनी मातृभाषा/क्षेत्रीय भाषा में इस परीक्षा में भाग ले सकेंगे जिससे उनके चयन की संभावनाएं बढ़ेंगी। इसके परिणामस्वरूप पूरे देश में परीक्षार्थियों के बीच इस परीक्षा की पहुंच बढ़ेगी और सभी को रोजगार का समान अवसर भी मिलेगा। केंद्र सरकार की इस पहल से देशभर के युवाओं को अपनी मातृभाषा में कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में कांस्टेबल (जीडी) परीक्षा में भाग लेने और देश सेवा में अपना करियर बनाने का सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ है।

कांग्रेस की समराला रैली में नवजोत सिद्धू को नहीं बुलाया

लुधियाना। कांग्रेस ने नवजोत सिद्धू को पंजाब में होने वाली समराला रैली के लिए आमंत्रित नहीं किया है। जानकारी के अनुसार कांग्रेस की ओर से समराला में 11 फरवरी को आयोजित रैली के लिए पार्टी के स्टार नेता नवजोत सिंह सिद्धू को अभी तक कोई न्योता नहीं मिला है। सिद्धू के करीबियों का कहना है कि बिना न्योता सिद्ध रैली में कभी नहीं जाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अगर पार्टी की ओर से उन्हें नहीं बुलाया जाता है तो सिद्धू लाबी कुछ बड़ा धमाका कर सकती है। सिद्धू की गैरमौजूदगी का अंदाज इसी से लगाया जा सकता है कि समराला से लुधियाना तक लगाए गए बैनर और होर्डिंग्स से नवजोत सिद्धू गायब हैं। दरअसल शनिवार को जब पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग से नवजोत सिंह सिद्धू के समराला रैली में आने के संबंध में पूछा गया तो उन्होंने चुप्पी साध ली। उधर, यह भी चर्चा चल रही है कि सिद्धू के एक करीबी सांसद कांग्रेस का दामन छोड़ तरनतारन में आयोजित होने वाली आम आदमी पार्टी की रैली में आप का दामन भी थाम सकते हैं।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में आईईडी विस्फोट, सीएएफ का एक जवान घायल

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों द्वारा लगाए एक आईईडी में रविवार को विस्फोट हो जाने से छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल (सीएएफ) का एक जवान घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी के मुताबिक, जिले में डुमरीपालनर और तिमेनार गांवों के बीच स्थित विस्फोट स्थल से पांच किलोग्राम वजन वाले तीन 'प्रेशर इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस' (आईईडी) भी बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि यह विस्फोट सुबह करीब नौ बजे हुआ, जब सुरक्षाकर्मियों की एक टीम इलाके में गश्त पर निकली थी। उन्होंने बताया कि सीएएफ का एक जवान आईईडी के संपर्क में आ गया, जिससे विस्फोट हो गया। पुलिस अधिकारी ने कहा, ''विस्फोट में, जवान के पैर में चोट लगी और उसे नेलसनार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से उसे दंतेवाड़ा जिला अस्पताल भेज दिया गया।'' उन्होंने कहा कि घायल जवान को बेहतर इलाज के लिए हवाई मार्ग से रायपुर ले जाया जाएगा। उन्होंने बताया कि सुरक्षाकर्मियों ने घटनास्थल से पांच किलोग्राम वजन वाली तीन आईईडी भी बरामद की और उन्हें निष्क्रिय कर दिया। इलाके में खोजबीन अभियान चलाया जा रहा है।

अवैध रूप से रहने वाले दो बांग्लादेशी हुए गिरफ्तार

मुंबई। नवी मुंबई में अवैध रूप से रहने वाले दो बांग्लादेशी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बता दें कि पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने कथित तौर पर भारत में अवैध रूप से रहने के आरोप में यह कार्रवाई की है। जानकरी के अनुसार नवी मुंबई शहर से दो बांग्लादेशी नागरिकों को एटीएस ने गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि दोनों आरोपियों कि उम्र 24 वर्ष है, जिन्हें शुक्रवार को पनवेल के नादवे में खिदुकपाड़ा गांव से पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि एटीएस के एक दस्ते ने खिदुकपाड़ा इलाके के निरीक्षण के दौरान दो व्यक्तियों को एक चॉल में रहते हुए पाया। पूछताछ के दौरान कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा पाए। पुलिस ने बताया कि दोनों व्यक्तियों के पास उनके नाम पर आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और ड्राइविंग लाइसेंस थे। उनके खिलाफ शनिवार को पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) नियम-1950 और विदेशी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

सिक्किम :भीड़ में घुसे टैंकर ने 20 लोगों को रौंदा, 3 की मौत

गंगटोक। जिले के रानीपूल में बीती शाम एक तम्बोला कार्यक्रम में ट्रक के अचानक घुस जाने से तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि 20 लोग घायल भी हो गए, जिन्हें मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गंगटोक के जिला मजिस्ट्रेट तुषार निखारे ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि शनिवार शाम करीब 7 बजकर 30 मिनट पर रानीपुर में तंबोला कार्यक्रम चल रहा था। तभी कार्यक्रम में एक ट्रक वहां घुस गया, जिससे 3 लोगों की मौत हो गई और करीब 20 मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल, सभी निगरानी में हैं।

पं. दीनदयाल की पुण्यतिथि पर पीएम मोदी सहित अन्य बीजेपी नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्यों में शामिल रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर आज देशभर में श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है। इसी क्रम में पीएम नरेन्द्र मोदी ने उन्हें श्रद्धंजलि देते हुए कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय ने भारतीय संस्कृति और विरासत की दम पर देश को आगे बढ़ाया है। पीएम मोदी के अलावा अन्य भाजपा नेताओं ने भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। पीएम मोदी ने सोशल मिडिया एक्स पर पोस्ट किया, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी को उनकी पुण्यतिथि पर देशभर के अपने परिवारजनों की ओर से शत-शत नमन। उन्होंने भारतीय संस्कृति और विरासत को केंद्र में रखकर देश को आगे ले जाने का मार्ग दिखाया, जो विकसित भारत के निर्माण में भी प्रेरणास्रोत बना है। इस अवसर पर अन्य भाजपा नेताओं ने भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय को उनकी पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी सोशल मिडिया एक्स पर पोस्ट कर उनको याद किया साथ ही इस बात पर जोर दिया कि उनके मूल्य हमेशा पार्टी के लिए मार्गदर्शक रहेंगे।

इधर गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि उपाध्याय का जीवन राष्ट्र सेवा और उसके प्रति समर्पण का एक विशाल प्रतीक है। शाह ने ककि कि उनका मानना था कि कोई भी देश अपनी संस्कृति के मूलभूत मूल्यों की उपेक्षा करके प्रगति नहीं कर सकता। पीएम ने कहा कि उन्होंने जो मार्ग दिखाया वो विकसित भारत के निर्माण में भी प्रेरणास्रोत बना है। बता दें कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पदाधिकारी रहे उपाध्याय भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्यों में से थे। भारतीय जनसंघ से ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का गठन हुआ। मोदी दीनदयाल उपाध्याय के 'अंत्योदय' और 'एकात्म मानवतावाद' के विचारों को अपने शासन के मॉडल के लिए प्रेरणास्रोत मानते हैं।

इस अवसर पर भाजपा के अन्य नेताओं ने भी उपाध्याय को श्रद्धांजलि दी।

एनडीए के समर्थन पर बोले मांझी- मैं गरीब हूं पर बेईमान नहीं हूं

पटना(एजेंसी)। कल यानी सोमवार को बिहार विधानसभा में नीतीश सरकार की अग्नि परीक्षा है। विधानसभा में फ्लोर टेस्ट होने से पहले राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और एनडीए के सहयोगी जीतनराम मांझी को लेकर शंकाए व्यक्त की जा रहीं हैं। वजह ये है कि मांझी से मिलने भकपा माले के विधायक महबूब आलम मिलने पहुंचे थे। दोनों की तकरीबन आधे घंटे बातचीत की थी। इसके बाद बिहार की राजनीति में हलचल पैदा हो गई कि मांझी फ्लोर टेस्ट में एनडीए सरकार को गच्चा दे सकते हैं। शंका इसलिए भी बढ़ी की हिंदुस्तान अवाम मोर्चा प्रमुख जीतनराम मांझी एनडीए सरकार में एक मंत्री पद दिए जाने को लेकर कई बार मंचों पर अपनी नाराजगी जाहिर कर चुके हैं। इन्ही सवालों के बीच मांझी ने दावा करते हुए कहा कि एनडीए को समर्थन कर रहा हूं,गरीब हूं पर बेईमान नहीं हूं। पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी ने कहा कि हमने 10 फरवरी को ही व्हिप जारी किया है और सभी चार विधायकों एनडीए गठबंधन को वोट देंगे और विधानसभा सदन में हाजिर रहेंगे। सरकार के पक्ष में अपने बात रखेंगे, बोलेंगे भी और मतदान की स्थिति में एनडीए के समर्थन में मतदान भी करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि ये बिल्कुल साफ है। मुझे राजनीति में 43-44 साल हो गए बहुत लोग आते हैं, मिलते हैं, मैं उनसे मना तो नहीं करता। उन लोगों से मुलाकात मात्र से अगर कोई भ्रामक बातें करते है तो वो जीतनराम मांझी को नहीं समझा है। हम बहुत पहले से बोल चुके हैं कि हम गरीब हो सकते हैं, लेकिन बेईमान नहीं हो सकते। मैं जहां हूं, वहीं रहूंगा और अंतिम वक्त तक वहीं रहूंगा।

भकपा माले के विधायक महबूब आलम मुलाकात पर बिहार सरकार में मंत्री संतोष कुमार सुमन ने कहा कि उन्हें मिलने दीजिए, इससे क्या फर्क पड़ता है। हम सोच रहे हैं कि अगर वो भी एनडीए सरकार में शामिल हो जाएं तो अच्छा होगा, बेकार में वो जंगल राज में फंसे हुए हैं। मीडिया से बात करते हुए एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि देखिए हमारे पास बहुमत है और अगर कोई विधायक आना चाहते हैं तो उनका स्वागत है।बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली नई एनडीए सरकार के गठन के बाद प्रदेश की पूरी राजनीति बदल गई है। अब एनडीए सरकार को 12 फरवरी को बहुमत साबित करते हुए फ्लोर टेस्ट पास करना होगा। फ्लोर टेस्ट से पहले राज्य में सियासी हलचल तेज हो गई है और सभी दलों में पार्टी व्हिप जारी कर सभी विधायकों की बाड़ेबंदी शुरू कर दी है। इसी बीच बिहार के पूर्व सीएम जीतनराम मांझी ने कहा कि मैं जहां हूं। वहीं रहूंगा। हम गरीब हो सकते हैं, लेकिन बेईमान नहीं हो सकते।

गृहमंत्री अमित शाह ने मैसुरु में मां चामुंडेश्वरी मंदिर में किए दर्शन पूजन

मैसुरु (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को यहां चामुंडी हिल्स पहुंचे और मैसूरु की अधिष्ठात्री देवी चामुंडेश्वरी के दर्शन और पूजन किये। शाह के साथ केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र भी थे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि शाह ने पुजारियों द्वारा संस्कृत श्लोकों के उच्चारण के बीच चामुंडेश्वरी की पूजा करने से पहले भगवान गणेश की पूजा की, जिन्हें नाद देवता (राज्य देवता) भी माना जाता है। शाह ने पूजा-अर्चना के बाद मंदिर की प्रदक्षिणा की।

चामुंडी या दुर्गा के नाम से जानी जाने वाली देवी शक्ति का उग्र रूप है और उन्होंने राक्षसों चंड और मुंड और भैंस के सिर वाले राक्षस महिषासुर का वध किया था। गृहमंत्री शाह के दौरे के लिए मंदिर के आसपास और शहर से मंदिर की ओर जाने वाले मार्ग पर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। अधिकारियों ने कहा कि 1,000 साल से अधिक पुराना यह मंदिर शुरू में एक छोटा मंदिर था और सदियां गुजरने के साथ ही इसका महत्व बढ़ गया और यह एक प्रमुख पूजा स्थल बन गया। उन्होंने कहा कि 1399 ईस्वी में मैसूरु महाराजाओं, वोडेयार के सत्ता में आने के बाद इसका महत्व बढ़ गया क्योंकि वे चामुंडेश्वरी के बड़े भक्त और उपासक थे।

केजरीवाल ने दिल्ली की सातों सीटों पर किया जीत का दावा

-लोगों ने कहा, क्या कांग्रेस संग नहीं होगा गठबंधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। तरन तारन। लोकसभा चुनाव 2024 में दिल्ली की 7 सीटों पर आम आदमी पार्टी और कांग्रेस मिलकर चुनाव लड़ेंगी या नहीं, इस पर संशय बरकरार है। आधिकारिक ऐलान नहीं होने के कारण महज कयास ही लगाए जा रहे हैं। ऐसे में आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के तरनतारन में रैली के दौरान ऐलान किया कि दिल्ली के लोगों ने इस बार ठान लिया है कि दिल्ली की सातों लोकसभा सीटें इस बार आम आदमी पार्टी को ही देंगे। इस बात के ये मायने निकाले जा रहे हैं कि दिल्ली में आप कांग्रेस से गठबंधन करने के मूड में नहीं है।

यहां आयोजित एक रैली को संबोधित कर रहे दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भाजपा को डर है कि केंद्र में आप की सरकार बन जाएगी। आज की स्थिति में भाजपा सिर्फ और सिर्फ आम आदमी पार्टी से ही डरती है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में आम आदमी पार्टी तेजी से बढ़ी है। वैसे तो आप महज 10 साल का छोटा सा बच्चा है। इस छोटे बच्चे ने इतनी बड़ी पार्टी की नाक में दम कर रखा है। उन्होंने कहा कि आप उन्हें सोने नहीं देती। उन्हें नींद नहीं आ रही है। हम लोग उनके सपने में रात को भूत बनकर आते हैं। इसके साथ ही केजरीवाल ने केंद्र पर आरोप लगाते हुए कहा कि यहां पंजाब में हमें काम करने से रोका जा रहा है, और वहां दिल्ली में ये लोग हमें रोक रहे हैं।

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि आप जैसी एक छोटी सी पार्टी ने 10 साल के अंदर पंजाब और दिल्ली में सरकार बना ली है। वहीं दूसरी तरफ गुजरात और गोवा में विधायक बने हैं। जहां भी पार्टी उम्मीदवार चुनाव लड़ते हैं, वहां खूब सारे वोट उनके खाते में आते हैं। ऐसे में भाजपा को डर है कि यह पार्टी इसी तरह आगे बढ़ती रही तो एक दिन केंद्र में आम आदमी पार्टी की ही सरकार बन जाएगी। यहां केजरीवाल ने कहा कि भाजपा की 30 साल से गुजरात में और 15 साल से मध्य प्रदेश में सरकार है, लेकिन एक भी स्कूल ठीक नहीं कर पाए हैं और ना ही बिजली व्यवस्था बेहतर कर पाए। उन्होंने कहा कि अगर हिम्मत है तो वही काम करके दिखाएं. जो काम आम आदमी पार्टी करती है।

गांव चलो अभियान में सीएम धामी चंपावत के ठांटा गांव पहुंचे, लोगों से काम का फीडबैक लिया

चंपावत । उत्तराखंड में भाजपा के गांव चलो अभियान के तहत दो दिवसीय दौरे पर सीएम धामी चंपावत के ठांटा गांव पहुंचे। यहां रात्रि विश्राम के बाद वह मॉर्निंग वॉक पर निकले। इस दौरान उन्होंने लोगों से सरकार की योजनाओं के बारे में फीड बैक लिया। उन्होंने डेरी प्रोडक्ट प्रोसेसिंग यूनिट में कार्यरत स्थानीय महिलाओं से भी मिलकर उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी भी ली। सीएम धामी ने कहा कि हमारी सरकार स्थानीय उत्पादों को वोकल फॉर लोकल अभियान से दुनिया मे नई पहचान दे रही है। सीएम धामी ने कहा कि लोगों से मिले सुझाव और विशेषकर मातृशक्ति के चेहरों पर सरकार के कामकाज के प्रति दिखे संतुष्टि के भाव से नई ऊर्जा प्राप्त हुई है और उनसे मिले असीम स्नेह व आशीर्वाद से मन अभिभूत है। गौरतलब है कि प्रदेश भाजपा ने गांव चलो अभियान को लेकर मुख्यमंत्री समेत सरकार में मंत्रियों एवं पार्टी के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों की जिम्मेदारी तय की थी। 29 पार्टी पदाधिकारियों की प्रवास के गांव तय किए गए थे। पार्टी के सभी पदाधिकारी, वरिष्ठ कार्यकर्ता प्रदेश के 11729 बूथों पर 24 घंटे प्रवास कर रहे हैं। इस दौरान वे जनता के माध्यम केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी भी दे रहे हैं।

मोदी सरकार की तारीफ करने से नहीं थक रहे कांग्रेस नेता पी चिदंबरम

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम इन दिनों केंद्र की मोदी सरकार की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। जहां भी जाते हैं कुछ न कुछ सराहना जरुर करते हैं। हालांकि आखरी में संतुलन के लिए कुछ खामियां भी बता देते हैं। हाल ही में कोलकाता में आयोजित लिटरेचर फेस्टिव में शामिल हुए कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की तारीफ की है। उन्होंने कहा है कि इस सरकार को अगर कुछ लागू करना होता है तो बहुत अच्छे से करती है। मैं इस बात को स्वीकार करता हूं। उन्होंने कहा कि यह कहने में मुझे कोई दिक्कत नहीं। आपको बता दें कि चिदंबरम एक लिटरेचर फेस्टिव में शामिल होने के लिए कोलकाता पहुंचे थे, जहां उन्होंने ये बातें कही हैं।हालांकि, उन्होंने बाकी तमाम मुद्दों पर विरोध जताया है। चिदंबरम ने शनिवार को दावा किया कि पूरे देश पर डर हावी है और ये हालात लोकतंत्र के ठीक उलट हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि पिछले एक वर्ष से अधिक समय में उन्हें देश में एक भी व्यक्ति ऐसा नहीं मिला जो भय से मुक्त हो।उन्होंने कहा,'' पिछले 18 माह में मैं जहां भी गया,जिससे भी मैंने बात की मैंने पाया कि उनकी सोच पर भय हावी है। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य ने कहा कि उनसे किसी कारोबारी, वकील, चिकित्सक या लघु उद्योग से जुड़े किसी व्यक्ति ने यह नहीं कहा कि वह जो चाहें बोल सकते हैं और कोई भी फिल्म बना सकते हैं। पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा, ''भारत में डर हावी है और यह लोकतंत्र के विपरीत है। जहां विचार भय रहित है, वहीं लोकतंत्र है।''

उद्धव ठाकरे ने भाजपा पर लगाया आरोप, कहा- लोकसभा चुनाव में वोट पाने के लिए कर्पूरी ठाकुर को दिया भारत रत्न

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने रविवार को दावा किया कि आगामी लोकसभा चुनाव में बिहार से वोट हासिल करने के लिए नरेन्द्र मोदी की सरकार ने कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न से सम्मानित किया है। शिवसेना के यहां एकत्रित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए ठाकरे ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्ववर्ती संगठन भारतीय जन संघ ने सरकारी नौकरियों में अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) को 26 प्रतिशत आरक्षण देने के ठाकुर के फैसले का विरोध किया था। उन्होंने कहा, ''लेकिन अब भाजपा लोकसभा चुनाव के दौरान बिहार से वोट हासिल करना चाहती है, इसलिए उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित करने की घोषणा की है। मुझे खुशी है कि उनके (ठाकुर के) काम को इतने सालों के बाद मान्यता दी जा रही है।'' ठाकरे ने आगे कहा कि भाजपा ने डॉ.एम.एस. स्वामीनाथन के नाम को भारत रत्न के लिए नामित किया है लेकिन उनकी अध्यक्षता में गठित आयोग द्वारा किसानों की आय बढ़ाने के लिए की गई सिफारिशों को लागू करने में असफल रही है। उन्होंने कहा कि जनता इस खोखलेपन को देख रही है। केंद्र सरकार ने इस साल पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी.नरसिम्हा राव और चौधरी चरण सिंह, कृषि वैज्ञानिक और भारत में हरित क्रांति के जनक डॉ. एम.एस.स्वामीनाथन, समाजवादी नेता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर और भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता लाल कृष्ण अडवाणी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित करने की घोषणा की है।

मोदी सरकार ने भारत रत्न देने में अटल सरकार का तोड़ा रिकॉर्ड

-15 दिनों में ही 5 लोगों को ?किया भारत रत्न देने का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्र की मोदी सरकार ने चुनावी साल में भारत रत्न सम्मान के बांटे जाने के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। लागातार हो रही घोषणाओं में बीते 15 दिन में पांच बड़ी हस्तियों को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से नवाजने का ऐलान किया है। सम्मान पाने वालों में दो पूर्व प्रधानमंत्री, एक पूर्व उप प्रधानमंत्री, एक पूर्व मुख्य मंत्री के साथ ही एक जाने माने कृषि विशेषज्ञ शामिल हैं। हालांकि इसमें चार को मरणोपरांत यह सम्मान दिया जा रहा है। इन पांचों नामों की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद की है। हाल ही में जिन पांच लोगों को भारत रत्न देने का ऐलान हुआ है, उनमें पीवी नरसिम्हा राव, चौधरी चरण सिंह और एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न देने की घोषणा हुई है। इससे पहले लाल कृष्ण आडवाणी और कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की घोषणा की थी।

यदि 1999 में अटल सरकार का जिक्र करें तो अटल सरकार ने 4 हस्तियों को भारत रत्न सम्मान दिया था। लेकिन सबसे खास बात ये है कि इस साल जिन लोगों को भारत रत्न देने की घोषणा की गई है उनमें दो नेताओं का संबंध बाबरी मस्जिद- राम मंदिर विवाद से है तो वहीं दो नेताओं का संबंध किसान और ओबीसी समाज से है। जबकि इनमें से एक एमएस स्वामीनाथन बड़े कृषि वैज्ञानिक हैं। यहां गौरतलब है कि भारत रत्न सम्मान एक कैटेगरी में एक साथ तीन से ज्यादा शख्सियतों को नहीं दिया जा सकता। यह देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है जो किसी क्षेत्र में असाधारण और सर्वोच्च सेवा का प्रतीक है। भारत रत्न सम्मान राजनीति, कला, साहित्य, विज्ञान के क्षेत्र में किसी विचारक, वैज्ञानिक, उद्योगपति, लेखक और समाजसेवी को दिया जाता है।

बता दें कि भारत रत्न सम्मान की शुरूआत तत्कालीन राष्ट्रपति डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद ने दो जनवरी 1954 को की थी। उस समय स्वतंत्र भारत के पहले गवर्नर जनरल चक्रवर्ती राजगोपालाचारी, पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन और वैज्ञानिक डॉक्टर चंद्रशेखर वेंकट रमन को 1954 में पहली बार इस सम्मान से नवाजा गया था।

अब जिनको भारत रत्न मिला, उनके बारे में.....

चौधरी चरण सिंह किसानों और जाटों के सबसे बड़े नेताओं में से एक हैं। एक मध्यमवर्गीय किसान परिवार में जन्में चौधरी चरण सिंह भारत के प्रधानमंत्री रहे हैं। वह 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक जनता पार्टी सरकार में लगभग 5 महीने प्रधानमंत्री रहे। जबक दो बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री भी रहे। वह पहली बार 1937 में छपरौली से यूपी विधान सभा के लिए चुने गए थे। चौधरी चरण सिंह का निधन 29 मई 1987 को हुआ था कृषक समुदायों के साथ उनके आजीवन जुड़ाव के कारण नई दिल्ली में उनके स्मारक का नाम किसान घाट रखा गया था।

पी.वी. नरसिंम्हा राव का जन्म 28 जून 1921 को करीमनगर में हुआ था। उन्होंने उस्मानिया विश्वविद्यालय, मुंबई विश्वविद्यालय एवं नागपुर विश्वविद्यालय से अपनी पढ़ाई की। पेशे से कृषि विशेषज्ञ एवं वकील श्री राव राजनीति में आए और आंध्र प्रदेश सरकार में अनेक विभागों में मंत्री रहने के बाद 1971 से 73 तक आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। वहीं केन्द्र सरकार में मंत्री रहने के बाद वह 1991 से 1996 तक देश के प्रधानमंत्री बने रहे। राव संगीत, सिनेमा एवं नाटकशाला में रुचि रखते थे। भारतीय दर्शन एवं संस्कृति, कथा साहित्य एवं राजनीतिक टिप्पणी लिखने, भाषाएं सीखने, तेलुगू एवं हिंदी में कविताएं लिखने एवं साहित्य में उनकी विशेष रुचि थी।

महान वैज्ञानिक एम एस स्वामीनाथन को भारत में हरित क्रांति का जनक कहा जाता है। उन्होंने दुनिया भर के विश्वविद्यालयों से 81 मानद डॉक्टरेट उपाधियां प्राप्त की थीं। उन्होंने देश के लगभग सभी प्रधानमंत्रियों के साथ अपना योगदान दिया। वह 2007-13 की अवधि के लिए संसद (राज्य सभा) के सदस्य (नामांकित) हुए। स्वामीनाथन को मिले अन्य पुरस्कारों में रेमन मैग्सेसे पुरस्कार, अल्बर्ट आइंस्टीन विश्व विज्ञान पुरस्कार, विश्व खाद्य पुरस्कार, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय पुरस्कार, पद्म श्री (1967), पद्म भूषण (1972), पद्म विभूषण (1989) आदि शामिल हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूपीए शासनकाल में देश की आर्थिक स्थिति खराब थी, अब देश हर मोर्चे पर प्रगति की राह पर है : सी.आर.पाटिल

लोकसभा में पेश श्वेत पत्र पर बहस, सांसद एनडीए सरकार की उपलब्धियों को लोगों तक पहुंचाने जुटे

लोकसभा में पेश किए गए श्वेतपत्र के बारे में जानकारी देते हुए सी.आर.पाटिल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में लोकसभा चुनाव से पहले राजनीति धीरे-धीरे गरमाती जा रही है। जनता के बीच वोट मांगने जाने से पहले मोदी सरकार ने हर तरह की तैयारी कर ली है। सरकार ने लोकसभा में श्वेत पत्र पेश कर एक बार फिर विपक्ष पर निशाना साधा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने श्वेत पत्र पेश किया था। २००४ से २०१४ तक यूपीए शासनकाल के दौरान देश की स्थिति निराशाजनक थी। देश में बैंकों की स्थिति पर श्वेत पत्र विस्तार से बताता है, जिस तरह से देश कर्ज के बोझ तले दबा हुआ था। जीडीपी भी कम हो गई थी और साथ ही लोगों की आमदनी भी कम हो रही थी। दिशाहीन यूपीए सरकार के शासन के कारण देश में आर्थिक संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई। एनडीए सरकार ने धीरे-धीरे देश को ऐसी स्थिति से बाहर निकाला है।

देश के समग्र विकास के लिए काम किया गया

प्रदेश अध्यक्ष सी.आर. पाटिल ने कहा कि जब से मोदी सरकार सत्ता में आई तो यूपीए सरकार ने देश की जो स्थिति कि थी उसे देखते हुए काफी कड़े फैसले लिए हैं और देश को एक नई उम्मीद दी। देश जहां आर्थिक मोर्चे पर पिछड़ रहा था, वहीं अब लगातार आगे बढ़ रहा है। देश में बैंकों की हालत में सुधार हुआ है। कोरोना काल जैसी विपरीत परिस्थिति में भी देश मजबूती से खड़ा रहा और तब से देश लगातार सभी मोर्चों पर आगे बढ़ा है। मोदी सरकार ने देश में युवाओं, महिलाओं और गरीबों के लिए कई योजनाएं लागू कीं, जिनका लाभ आज देश की जनता को मिल रहा है। मोदी सरकार के शासन में दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने का सपना भी अब साकार होगा।

लोग मोदी की गारंटी पर विश्वास करते हैं

सूरत की सांसद दर्शना जरदोश ने कहा कि मोदी सरकार ने जो गारंटी दी थी उसे आज सरकार ने पूरा किया है। न केवल गुजरात बल्कि पूरे देश के लोगों का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अटूट विश्वास है। रेलवे और कपड़ा क्षेत्र में उन्होंने कई लाभकारी उद्योगों को कायम रखने की योजना की घोषणा की है, लेकिन राम मंदिर निर्माण की गारंटी, धारा ३७० हटाने की गारंटी देकर उन्होंने अपने से किये कई वादे पूरे किये हैं। चाहे रेलवे कॉरिडोर की बात हो, चाहे देश में अलग-अलग नए हाईवे बनाने की बात हो, मोदी सरकार सभी क्षेत्रों में तेजी से काम कर रही है।

२४ से २५ फरवरी तक सुवाली तट पर बीच फेस्टिवल का आयोजन होगा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

बीच फेस्टिवल में ऊंट और घोड़े की सवारी, शिल्प स्टॉल, फूड कोर्ट, फोटो कॉर्नर जैसे विशेष आकर्षण होंगे

योजना को लेकर वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री मुकेशभाई पटेल की अध्यक्षता में बैठक हुई

गुजरात पर्यटन निगम और सूरत जिला प्रशासन द्वारा तटीय पर्यटन, विभिन्न समुद्र तटों और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सूरत के पास सुवाली समुद्र तट पर २४ से २५ फरवरी तक दो दिवसीय समुद्र तट उत्सव का आयोजन किया जाएगा। वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री मुकेशभाई पटेल ने इस संबंध में सूरत सर्किट हाउस में एक बैठक की और विभिन्न विभागों को तैयारियों और सुचारूयोजना के संबंध में परिचालन दिशानिर्देश दिए। बीच फेस्टिवल को सफल बनाने हेतु उपयोगी मार्गदर्शन सहित आवश्यक निर्देश दिये। ऊंट और घोड़े की सवारी, शिल्प स्टॉल, फूड कोर्ट, फोटो कॉर्नर जैसे विशेष आकर्षणों के साथ, पर्यटक समुद्र तट आनंददायक माहौल में घूमते हुए भोजन और पेय का आनंद ले सकते हैं। यहां यह उल्लेख किया जा सकता है कि पर्यटन विभाग द्वारा राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न त्यौहार मनाने की परंपरा है, वहीं सुवाली में बीच फेस्टिवल भी अक्सर आयोजित किए जाते हैं। जहां रोमांच के शौकीनों के लिए साहसिक खेल हैं, वहीं आउटडोर पसंद करने वालों के लिए शिल्प स्टॉल भी उपलब्ध होंगे। बच्चों के मनोरंजन के लिए विशेष व्यवस्था की जाती है। कुल मिलाकर, यह पूरा उत्सव युवा और वृद्ध सभी को आकर्षित करने का एक प्रयास है।

इस बैठक में विधायक संदीपभाई देसाई, रेजिडेंट एडिशनल कलेक्टर विजय रबारी, डिप्टी कलेक्टर पार्थ तलसानिया, चोर्यासी मामलतदार नीरव परितोष, तालुका विकास अधिकारी किरण पारधी, चोर्यासी तलाटी सह मंत्री, सर्कल अधिकारी उपस्थित थे।

'हेल्थ एंड वेलनेस एक्सपो' और 'फूड एंड एग्रीटेक एक्सपो' में दो दिनों में १५ हजार से ज्यादा विजिटर्स आए

जैविक चावल, नागली, साबुत उड़द, उड़द दाल, भगर (मोराव), खरसानी, बाजरी, ज्वार और रागी की एक्सपो में बिक्री

चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित एक्सपो में लोगों भीड

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और दक्षिणी गुजरात चैंबर व्यापार और उद्योग विकास केंद्र द्वारा सरसाणा स्थित अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और कन्वेंशन सेंटर में 'हेल्थ एंड वेलनेस एक्सपो - २०२४' और 'फूड एंड एग्रीटेक - २०२४' प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया है, जिसे जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। एक्सपो में दो दिन में १५ हजार से ज्यादा विजिटर्स आए।आज सोमवार को एक्सपों का अंतिम दिन है। चूंकि लोग अब जैविक भोजन की ओर आकर्षित हो रहे हैं, इसलिए जैविक चावल, नागली, साबुत उड़द, उड़द दाल, भगर (मोराव), खरसानी, बाजरी, ज्वार और रागी आदि इन एक्सपो में सीधे बेचे जा रहे हैं। जहां ज्यादातर सूरतियों की भीड़ देखी गई। इसके अलावा नमकीन और बेकरी आइटमों के स्टॉल धारकों द्वारा तरह-तरह के ऑफर दिए जा रहे वहा भी लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है।

इसके अलावा अगर युवा उद्यमी बेकरी उत्पाद बनाने का छोटा कारोबार शुरूकरना चाहते हैं तो ३ लाख रुपये से लेकर १०-१५ लाख रुपये तक के प्रोजेक्ट की जानकारी भी प्रदर्शनी में उपलब्ध है। यूट्यूब पर बेकरी उत्पाद बनाने की मशीनरी की जानकारी खोज रहे युवाओं को इस प्रदर्शनी में व्यक्तिगत रूप से विभिन्न बेकरी उत्पादों और प्लांट स्थापित करने से संबंधित जानकारी मिल रही है।

इन एक्सपो में लोगों को एक ही स्थान पर स्वास्थ्य और कल्याण, चिकित्सा उपचार और सूरत में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी भी मिल रही है। उधर, डोनेट लाइफ संस्था भी लोगों को अंगदान के प्रति जागरूक कर रही है। पहले दिन ५२५२ लोगों ने इस प्रदर्शनी को देखा। आज दूसरे दिन रविवार को १० हजार से ज्यादा लोगों ने परिवार के साथ मुलाकात की। दो दिनों में कुल १५,४५२ लोगों ने प्रदर्शनी देखी और खरीदारी की।

प्रसिद्ध कवि, ग़ज़ल लेखक अमर पालनपुरी को 'वली' गुजराती ग़ज़ल पुरस्कार से सम्मानित किया गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी की उपस्थिति में सूरत में गुजरात साहित्य अकादमी द्वारा 'वली' गुजराती ग़ज़ल पुरस्कार समारोह का आयोजन

लोगों को साहित्य से जोड़ने के लिए शहर की सड़कों पर लाइब्रेरी बनाने की योजना: गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी

गुजरात के पहले उर्दू शायर 'वली' गुजराती की याद में गुजरात साहित्य अकादमी हर साल मुर्धन्य ग़ज़लों को वली पुरस्कार से सम्मानित करती है। इस वर्ष प्रसिद्ध कवि, ग़ज़ल लेखक अमर पालनपुरी को प्रसिद्ध 'वली' गुजराती ग़ज़ल पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। यह पुरस्कार गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी द्वारा प्रदान किया गया।

अठवालाईन्स के आदर्श हॉल में आयोजित 'वली' गुजराती ग़ज़ल पुरस्कार प्रस्तुति समारोह में राज्य के गृह मंत्री हर्ष संघवी ने कवि अमर पालनपुरी को कविता, ग़ज़ल और साहित्य में उनके अमूल्य योगदान की सराहना करते हुए सम्मानित किया। विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से साहित्यिक प्रतिभा को बढ़ावा देने और गुजराती साहित्य की विरासत को संरक्षित करने के लिए गुजरात साहित्य अकादमी के प्रयासों की सराहना की। मंत्री ने किसी देश या राज्य के विकास में भाषा और संस्कृति की अहम भूमिका बताते हुए लोगों से साहित्य से जुड़े रहने की अपील की।

गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने यह भी कहा कि लोगों को किताबों और पढ़ने से जोड़ने के लिए आने वाले दिनों में शहर की सड़कों और सड़कों पर लाइब्रेरी बनाने की योजना पर काम चल रहा है। उन्होंने नौ युवाओं से साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाने और अपनी भाषा व संस्कृति का प्रचार-प्रसार करने की अपील की।

गौरतलब है कि वली पारितोषिक के लिए चुने गए गजल गायकों को वली गुजराती अवॉर्ड की ओर से एक लाख की सम्मान राशि से सम्मानित किया जाता है। इस अवसर पर अकादमी के अध्यक्ष भाग्येश झा, गुजरात साहित्य अकादमी के डॉ. महामात्रा. डॉ. जयेंद्र सिंह जादव, वीर नर्मद दक्षिण गुजरात यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. किशोर सिंह चावड़ा, कवि, लेखक एवं मनोचिकित्सक डॉ. मुकुल चौकसी सहित अन्य कवि एवं साहित्य प्रेमी उपस्थित थे।

चैंबर ऑफ कॉमर्स ने गाय आधारित प्राकृतिक खेती करने वाले गुजरात के ४० किसानों को धरतीपुत्र पुरस्कार से सम्मानित किया

कृषि को जब तक उद्योग से नहीं जोड़ा जाएगा, किसानों की प्रगति नहीं होगी, प्राकृतिक खेती होगी तो लोग बीमार नहीं होंगे: कुलपति डॉ. सी.के. टिंबडिया

गाय, गांव और खेती पर्यायवाची हैं, इन्हें मजबूत कर गांव में रोजगार पैदा करने और धान से सीधे निर्यात करने के प्रयास होने चाहिए: किसान रमेशभाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। रविवार ११ फरवरी २०२४ को दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा कन्वेंशन सेंटर, सरसाणा, सूरत में 'धरतीपुत्र पुरस्कार प्रस्तुति समारोह' का आयोजन किया गया। विश्व गुजराती समाज के उपाध्यक्ष सवजीभाई वेकारिया मुख्य अतिथि थे। वहीं गुजरात नेचुरल फार्मिंग साइंस यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. सी.के. टिम्बाडिया विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित थे। इस समारोह में अमेरिका के चतुरभाई छाभाया भी विशेष रूप से उपस्थित थे।

चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष रमेश वघासिया ने कहा कि भारत की कुल अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान १५ प्रतिशत है। भारत में कृषि की विकास दर ४ प्रतिशत है, जो वैश्विक विकास दर से अधिक है। भारत की १४० करोड़ की आबादी में से ६० प्रतिशत लोग कृषि पर निर्भर हैं। जब भारत स्वतंत्र हुआ तो भारत में कृषि उत्पादन बहुत कम था और हमें खाद्यान्न आयात करना पड़ता था। १९५० में भारत का कृषि उत्पादन १३५ मिलियन टन था, जो आज १३०० मिलियन टन है। भारत की कृषि उपज की आपूर्ति श्रृंखला बहुत लंबी है। कृषि उपज को कई कार्यों से गुजरना पड़ता है। जैसे, कटाई, मड़ाई, परिवहन, भंडारण, प्रसंस्करण जिसके बाद उत्पाद बाजार तक पहुंचता है। एक अनुमान के मुताबिक भारत की कुल कृषि उपज का १० प्रतिशत बाजार तक पहुंचते-पहुंचते नष्ट हो जाता है।

आज भारत के पास दुनिया की सबसे बड़ी कृषि योग्य भूमि है। गुजरात की अर्थव्यवस्था में कृषि, कृषि उत्पादन और कृषि इनपुट का योगदान २० प्रतिशत है। पिछले चार वर्षों में गुजरात में खाद्यान्न उत्पादन डेढ़ गुना बढ़ गया है। खाद्यान्न का उत्पादन जो ३७ लाख टन था वह बढ़कर १०५ लाख टन हो गया है। पिछले ४ साल में तिलहन का उत्पादन ३.७ लाख टन से बढ़कर ७.७ लाख टन हो गया है। पिछले दो वर्षों में ही खाद्यान्न की बुआई ४८०० हेक्टेयर से बढ़कर १०,५१४ हेक्टेयर हो गई है। चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आज के धरतीपुत्र पुरस्कार वितरण समारोह का मुख्य उद्देश्य उन किसानों को सम्मानित करना है जो कई कठिनाइयों से गुजरकर देश के नागरिकों की प्रमुख खाद्यान्न जरूरतों को पूरा कर रहे हैं।

कठिनाइयों के बावजुद लोगों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने वाले किसानों को सम्मानित करने का उद्देश्य: चैंबर अध्यक्ष रमेश वाघासिया

गुजरात प्राकृतिक खेती विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सी.के. टिंबडिया ने कहा, जब तक कृषि को उद्योग से नहीं जोड़ा जाएगा तब तक किसानों की प्रगति नहीं होगी। अगर हमारे देश में प्राकृतिक खेती की जाए तो कोई बीमार नहीं पड़ेगा। गाय, गाँव और नीम की कहावत प्रसिद्ध है, यदि हम प्राकृतिक खेती करके समाज को सात्विक भोजन उपलब्ध कराएँ तो लोगों को १०० वर्ष तक शत-प्रतिशत स्वस्थ जीवन मिलेगा। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के दो विश्वविद्यालयों ने निष्कर्ष निकाला कि रासायनिक खेती से धान और गेहूं जैसी प्रमुख फसलों का पोषण ४५ प्रतिशत कम हो गया है। गेहूं, चावल और फलों में पहले जैसे पोषण तत्व नहीं रह गए हैं, इसलिए जैविक खेती के बिना कोई रास्ता नहीं है।

पुरस्कार स्वीकार करने वाले राजकोट के किसान रमेशभाई ने कहा कि गाय, गांव और कृषि एक दूसरे के पर्याय हैं। इन्हें मजबूत करने के लिए गांव में रोजगार सृजन और धान से सीधे निर्यात के प्रयास किये जाने चाहिए।

उन्होंने एसजीसीसीआई ग्लोबल कनेक्ट मिशन ८४ की सराहना करते हुए कहा कि चैंबर ऑफ कॉमर्स ने देश के लिए अनुकरणीय कार्य किया है।

चैंबर के उपाध्यक्ष विजय मेवावाला ने धरती पुत्रों के सम्मान को गौरव की बात बताते हुए समारोह में उपस्थित सभी को धन्यवाद दिया। समारोह का संचालन मानद मंत्री निखिल मद्रासी ने किया।

चैंबर की कृषि, उद्यानिकी, उर्वरक एवं खाद्य प्रसंस्करण समिति के अध्यक्ष के.बी. पिपलिया ने धरती पुत्र पुरस्कार के बारे में जानकारी दी। सूरत बागवानी विभाग के उप निदेशक दिनेश पडालिया ने पुरस्कार प्रस्तुति का संचालन किया।चैंबर के तत्कालीन पूर्व अध्यक्ष हिमांशु बोडावाला, ऑल एक्जीबिशन के अध्यक्ष बिजल जरीवाला, समूह के अध्यक्ष कमलेश गजेरा, पूर्व अध्यक्ष बी.एस. अग्रवाल एवं प्रफुल्ल शाह एवं किसान उपस्थित थे।